INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-268 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, रविवार, 22 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा जनपद की 19 फीसदी महिलाएं एनीमिया की चपेट में

यूनिक समय, मथुरा। जिले में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर सामने आए आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। जनपद की करीब 19 फीसदी महिलाएं एनीमिया (खून की कमी) से पीड़ित हैं। इनमें सात फीसदी महिलाएं गंभीर श्रेणी में हैं। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं और किशोरियों की जांच कराकर उन्हें उपचार उपलब्ध कराने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत 1.40 लाख गर्भवती महिलाओं और तीन लाख किशोरियों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक दो लाख से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, एनीमिया के कारण शरीर में कमजोरी के साथ शारीरिक



विकास भी प्रभावित होता है। खासकर गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के लिए यह स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है। विभाग की ओर से हर महीने करीब 11 हजार महिलाओं और किशोरियों की जांच की जा रही है। जांच के बाद

सात फीसदी की हालत गंभीर गर्भवती महिलाओं और किशोरियों की जांच का लक्ष्य

अब तक दो लाख से अधिक लोगों की हो चुकी जांच, चिन्हित मरीजों का शुरू होगा उपचार

एनीमिया से पीड़ित चिन्हित महिलाओं का उपचार शुरू किया जाएगा। गांवों में सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) और आशा कार्यकर्ता जांच कर रही हैं, जबकि विद्यालयों में किशोरियों को जागरूक कर आयरन की गोलियां वितरित की जा रही हैं। सीएमओ डॉ. राधा बल्लभ ने बताया कि हीमोग्लोबिन 11 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम होने पर आयरन की दवा दी जाती है। एनीमिया से पीड़ित महिलाओं को हीमोग्लोबिन के स्तर के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

सात ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम हीमोग्लोबिन वाली महिलाओं को गंभीर श्रेणी में रखा गया है। इनका नियमित उपचार किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आयरन का इंजेक्शन भी दिया जाएगा। सात से दस ग्राम प्रति डेसीलीटर हीमोग्लोबिन वाली महिलाओं को मध्यम और 10 से 11 ग्राम प्रति डेसीलीटर वाली महिलाओं को हल्के एनीमिया की श्रेणी में रखा गया है। हल्के एनीमिया में खानपान सुधारने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने बताया कि किशोरियां स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क जांच करा सकती हैं। अभिभावक भी अपनी बेटियों की एनीमिया संबंधी जांच करा सकते हैं। विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों के साथ आयरन की दवा दी जा रही है।

जनपद में एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं और किशोरियों की जांच कराई जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार करीब 19 फीसदी महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। जांच पूरी होने के बाद चिन्हित महिलाओं का उपचार कराया जाएगा।

बांकेबिहारी के दर पर पहुंचने से पहले श्रद्धालु बेहाल

वीकेंड पर आस्था का सैलाब, भीड़ के दबाव में टूटे रस्सों के बैरियर



वीकेंड पर बांके बिहारी के दर्शन को श्रद्धालुओं से खचाखच भरी रही गलियां।

धक्का-मुक्की में गिरते रहे बुजुर्ग और बच्चे, पुलिस इंतजाम हो गए ध्वस्त

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में रविवार को ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भीड़ का दबाव इतना बढ़ा कि मंदिर की ड्योढ़ी तक पहुंचने से पहले ही श्रद्धालुओं की सांस फूलने लगी। गलियों से लेकर मंदिर के प्रवेश मार्ग तक पैर रखने की जगह नहीं बची। धक्का-मुक्की और आगे निकलने की होड़ में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी। हालात ऐसे बने कि भीड़ के आगे पुलिस और प्रशासन के इंतजाम भी



रविवार को बांके बिहारी में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़।

बेअसर नजर आए।

सुबह से ही मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, भीड़ का दबाव बढ़ता गया। मंदिर तक पहुंचने की चाह में श्रद्धालु एक-दूसरे से सटकर आगे बढ़ने को मजबूर हुए। कई स्थानों पर धक्का-मुक्की के चलते लोग लड़खड़ाकर गिरते रहे। युवाओं ने बुजुर्गों और बच्चों को संभालकर आगे निकाला। भीड़ के दबाव में श्रद्धालुओं के लिए सांस लेना और सामान्य गति से चलना तक मुश्किल हो गया।

रस्सियां टूटीं, व्यवस्था भीड़ के आगे बेबस

श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए रस्सों के बैरियर भी भीड़ के दबाव में टूट गए। हौंच-पौंच और धक्का-मुक्की के बीच कई श्रद्धालु गिर पड़े। उन्हें युवाओं ने सहारा देकर उठाया। मंदिर की ओर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी मशक्कत करनी पड़ी। अक्षय नवमी से शुरू हुआ श्रद्धालुओं का रेला रविवार को भी जारी रहा। लगातार बढ़ते दबाव ने भीड़ प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए। अब सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या कम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

ट्रेन में छूटा यात्री का मोबाइल जीआरपी ने लौटाया

यूनिक समय, कासगंज। जीआरपी पुलिस ने ईमानदारी और तत्परता का परिचय देते हुए ट्रेन में छूटे यात्री के एंड्रॉयड मोबाइल को बरामद कर उसके सुपुर्द कर दिया। रविवार को जीआरपी पुलिस स्टेशन पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या चार-पांच पर खड़ी शिकोहाबाद-कासगंज पैसेंजर ट्रेन में एक मोबाइल लावारिस अवस्था में मिला।

जांच के दौरान मोबाइल स्वामी की पहचान सोरों क्षेत्र निवासी एक यात्री के रूप में हुई। वह गैस का चूरन बेचने का काम करते हैं और यात्रा के दौरान जल्दबाजी में मोबाइल ट्रेन में भूल गए थे। जीआरपी ने आवश्यक कार्रवाई के बाद मोबाइल उन्हें सौंप दिया। मोबाइल वापस मिलने पर यात्री ने पुलिस का आभार जताया।

धार्मिक पर्यटन और उद्योग से मथुरा की अर्थव्यवस्था को रफ्तार

भक्ति के साथ बढ़ी कमाई, अर्थव्यवस्था ने भरी उड़ान

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक पर्यटन की बढ़ती गतिविधियों, औद्योगिक विस्तार और व्यापारिक कारोबार ने मथुरा की अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। इसका असर जिले की प्रति व्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है। सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में मथुरा की प्रति व्यक्ति आय 1,28,487 रुपये सालाना दर्ज की गई। वहीं जिले का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 46,308.28 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। प्रदेश के जिलों में जीडीपी के लिहाज से मथुरा 17वें स्थान पर है।

पिछले एक दशक में जिले की आर्थिक गतिविधियों का दायरा बढ़ा है। लोगों में सनातन के प्रति झुकाव होने

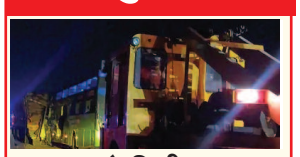


से मथुरा-वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और गोकुल जैसे धार्मिक स्थलों पर वर्षभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। बड़े धार्मिक आयोजनों, पर्वों और मेलों में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने से होटल, धर्मशाला, रेस्टोरेंट, परिवहन, प्रसाद, पूजा सामग्री और स्थानीय बाजारों में कारोबार बढ़ा है। पर्यटन से जुड़े इस कारोबार ने बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए हैं।

जनपद में प्रति व्यक्ति आय में इजाफा, व्यापार, डेयरी कृषि और सेवा क्षेत्र की अहम भूमिका

जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में औद्योगिक क्षेत्र की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। मथुरा रिफाइनरी समेत विभिन्न औद्योगिक इकाइयों और उनसे जुड़े सहायक कारोबार से आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है। इसके अलावा डेयरी उद्योग, पशुपालन और दुग्ध उत्पादों का कारोबार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। कृषि क्षेत्र में आलू, गेहूं, सरसों और अन्य फसलों का उत्पादन भी जिले की आय का प्रमुख आधार है। सेवानिवृत उप निदेशक अर्थ एवं संख्या रोहन लाल आर्य का कहना है कि प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा जिले की कुल शुद्ध आय को कुल आबादी से विभाजित करके निकाला जाता है। इसलिए इसे प्रत्येक व्यक्ति की वास्तविक कमाई नहीं माना जा सकता। इसमें वेतन, कारोबार, कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र से होने वाली आय का औसत शामिल होता है। वर्तमान कीमतों पर निकाली गई प्रति व्यक्ति आय में महंगाई का प्रभाव भी रहता है। फिलहाल सांख्यकीय विभाग के उपलब्ध आंकड़े मथुरा की आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की तस्वीर जरूर पेश करते हैं।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें



ट्रक से भिड़ी डबल डेकर बस चालक समेत दो की मौत

पेज-10 पर



2263 मतदेय स्थलों पर पहुंचे बीएलओ विशेष कैंपों का डीएम ने किया निरीक्षण

पेज-12 पर

खाने की तलाश में हमलावर हो रहे कपि,गांव से शहर तक दहशत



मंदिरों से न्यायालय तक बंदरों का डेरा, छतों और बाजारों में लोगों का निकलना मुश्किल

भोजन की कमी और आपसी संघर्ष से बढ़ रहा तनाव, राहगीरों पर झपट रहे हैं बंदरों के झुंड

यूनिक समय, मथुरा। प्राकृतिक आवास सिमटने और भोजन-पानी की उपलब्धता घटने के कारण बंदरों का आतंक गांवों से लेकर शहर तक बढ़ता जा रहा है। खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाने से लेकर घरों की छतों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों पर झपटने तक की घटनाएं सामने आ रही हैं।

बंदरों के हमलों से लोग चोटिल हो रहे हैं और रेबीज के खतरे के चलते अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद बंदरों की समस्या से निजात दिलाने की जिम्मेदारी संभालने वाले नगर निकाय और वन विभाग की प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

गांवों में खेत बंदरों के झुंडों के निशाने पर हैं तो कस्बों और शहरों में गली-मोहल्लों के खुले कचरे के ढेर उनके भोजन का ठिकाना बन गए हैं। सुबह होते ही बंदरों के झुंड कचरे में खाने की तलाश करने पहुंच जाते हैं। निकायों की कचरा उठाने वाली गाड़ियां कई स्थानों पर सुबह दस बजे के बाद पहुंचती हैं।

तब तक बंदर कचरे को बिखेरकर खाने की तलाश में उत्पात मचाते रहते हैं। कचरा उठने के बाद भी उनका जमावड़ा बना रहता है। आसानी से भोजन मिलने और इंसानों की मौजूदगी का अभ्यस्त होने से बंदरों का डर कम होता जा रहा है। ऐसे में राहगीरों और स्थानीय निवासियों पर झपटने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

न्यायालय से अस्पताल तक बंदरों का जमावड़ा

मथुरा शहर में नगर निगम परिसर, मंडी, होली गेट, जिला अस्पताल, जिला न्यायालय, डीएम कार्यालय, पुलिस लाइन, रंगेश्वर मंदिर, तहसील, राजीव भवन और रेलवे स्टेशन सहित अनेक सार्वजनिक स्थानों पर बंदरों के झुंड दिखाई देते हैं। दिनभर ये आसपास की कॉलोनियों और बाजारों में भोजन तलाशते हैं। जंगलों में प्राकृतिक आवास और भोजन-पानी की कमी ने उनकी निर्भरता आबादी वाले क्षेत्रों पर बढ़ा दी है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनएन शुक्ला के अनुसार, भोजन की कमी और झुंडों में आपसी संघर्ष के कारण बंदर तनाव में रहते हैं। यदि कोई उन्हें पत्थर मारता है या उनके बच्चों और समूह को खतरा महसूस होता है तो वे अधिक आक्रामक होकर हमला कर सकते हैं।

बंदरों के आतंक से राहत दिलाने की चुनौती

बंदरों की बढ़ती संख्या और हमलों से आमजन की सुरक्षा का सवाल खड़ा हो रहा है। जरूरत है कि वन विभाग और नगर निकाय संयुक्त रूप से समस्या के समाधान की ठोस कार्ययोजना बनाएं। कचरे का उचित निस्तारण, खुले में खाद्य सामग्री डालने पर रोक और संवेदनशील स्थानों पर प्रभावी प्रबंधन के साथ बंदरों को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित करने की व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को रोजमर्रा के जीवन में राहत मिल सके।



सोना धड़ाम, महीनेभर में 12 फीसदी टूटे दाम



धनतेरस के मुकाबले 15 हजार रुपये तक सस्ता हुआ सोना खरीदारों को और गिरावट का इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। सराफा बाजार में सोने की कीमतों में आई तेज गिरावट ने बाजार का रुख बदल दिया है, तो स्टॉक जमा करा बैठे कारोबारियों की नींद उड़ा दी है। करीब एक महीने में सोने के दाम लगभग 12 फीसदी तक लुढ़क गए हैं। इससे जहां नए खरीदारों को सस्ते भाव में खरीदारी की उम्मीद जगी है, वहीं धनतेरस या उससे पहले ऊंचे दामों पर शादी-विवाह के लिए आभूषण खरीद चुके परिवारों को अब कीमतें गिरने का अफसोस हो रहा है।

स्थानीय और क्षेत्रीय बाजार के रुझानों के मुताबिक, शनिवार को 24 कैरेट सोना करीब 1,26,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। वहीं 22 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,16,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। 18 कैरेट सोने की कीमत 96,300 से 98,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रही।

सराफा कारोबारी मनीष सिंघल ने बताया कि पिछले एक महीने में सोने की कीमतों में बड़ा करेक्शन आया है। इस दौरान प्रति 10 ग्राम सोने के भाव में करीब 16 हजार से 23 हजार रुपये तक की गिरावट दर्ज की गई है। धनतेरस के समय के मुकाबले भी सोना करीब 15 हजार रुपये तक सस्ता हो चुका है।

सराफा कारोबारी राजेश अग्रवाल का कहना है कि कीमतों में अचानक आई गिरावट के चलते ग्राहक फिलहाल खरीदारी को लेकर असमंजस में हैं। कई ग्राहक भाव और नीचे आने की उम्मीद में इंतजार कर रहे हैं। बाजार में सोने के भाव को लेकर पूछताछ जरूर बढ़ी है, लेकिन खरीदार रेट स्थिर होने और आगे की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही खरीदारी का मन बना रहे हैं। वैसे, गिरावट के बाद तेजी भी आएगी।

दो जिंदगियों को रोशनी देने वाली खुशी की पुण्यतिथि कल

यूनिक समय, मथुरा। सड़क हादसे में जान गंवाने वाली मेडिकल छात्रा खुशी की पुण्यतिथि 23 नवंबर को मनाई जाएगी। इस अवसर पर परिजन हवन-पूजन, गौसेवा और समाजसेवा के कार्यक्रम करेंगे।

पूर्व अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव गुप्ता की पुत्री खुशी केडी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा थीं। सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। दुख की इस घड़ी में परिजनों ने नेत्रदान का निर्णय लेकर उनकी आंखें दान कराईं।

इससे दो जरूरतमंद लोगों को नेत्र ज्योति मिली और उनके जीवन में उजाला आया। परिजन पुण्यतिथि पर धार्मिक अनुष्ठान के साथ सेवा कार्य कर खुशी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

"बोलती तस्वीर"

अंडरपास पर टेंपो राज, जाम में जनता बेहाल



फरह अंडरपास के नीचे टेंपो चालकों की मनमानी और फुटपाथ पर ठेलों का कब्जा राहगीरों की राह रोक रहा है। आगरा की ओर जाने वाले सर्विस मार्ग पर टेंपो राज के चलते वाहनों के पहिये थम गए। होमगार्ड की मौजूदगी भी जाम के झाम को खत्म नहीं कर पा रही।
क्लिक फोटो–यूनिक समय

टीबी के खिलाफ जंग में उतरेगी 100 युवाओं की 'जोश' टीम

माई भारत के 50 स्वयंसेवक और 50 एनसीसी कैडेट गांव गांव फैलाएंगे जागरूकता, जांच से इलाज तक करेंगे मदद

यूनिक समय, मथुरा। टीबी उन्मूलन अभियान को गति देने के लिए जिले में 100 युवाओं की 'जोश' (ज्वाइंट स्काउ फॉर हेल्थ) टीम गठित की जा रही है। इसमें माई भारत के 50 स्वयंसेवक और एनसीसी के 50 कैडेट शामिल होंगे। टीम गांवों और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने के साथ लोगों को जांच और नियमित उपचार के लिए प्रेरित करेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने बताया कि प्रत्येक टीम में पांच माई भारत स्वयंसेवक और पांच एनसीसी कैडेट होंगे। क्लास-1 नोडल अधिकारी टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और अन्य गतिविधियों के माध्यम से टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी देगी। स्क्रीनिंग शिविरों में सहयोग, मरीजों का फॉलोअप और निक्षय मित्र बनने के लिए लोगों को प्रेरित करना भी जिम्मेदारी होगी।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि टीम की गतिविधियों की निगरानी टीबी मुक्त भारत ऐप के जोश मॉड्यूल से होगी। सदस्य फोटो और लोकेशन सहित अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट दर्ज करेंगे। जिला कार्यक्रम समन्वयक शिव कुमार ने बताया कि माई भारत और एनसीसी की ओर से 100 युवाओं की सूची उपलब्ध करा दी गई है।

विप्र समाज की दो कन्याओं की शादी में सर्वोदयी ब्राह्मण संस्थान ने दिया सहयोग



यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की बैठक जगन्नाथपुरी स्थित कैंप कार्यालय पर अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इसमें आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा के साथ विप्र समाज की दो जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग किया गया।

संस्थान की ओर से प्रत्येक कन्या को 5100 रुपये नकद, चार साड़ी, चार पैंट-शर्ट, कंबल, घरेलू बर्तन, बेडशीट और श्रृंगारदान सहित अन्य उपहार भेंट किए गए। संस्थान पिछले 25 वर्षों से जरूरतमंद बेटियों के विवाह में लगातार सहयोग कर रहा है। इस कार्य में मालती रानी भार्गव, पूनम भार्गव, शशि शर्मा और डॉ. उमा शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

बैठक में सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, दिवाकर आचार्य, राजकुमार शर्मा, विवेक उपाध्याय, सुरेंद्र शर्मा, पीपी शर्मा, डॉ. जमुना शर्मा, दिलीप पांडे, राकेश गौड़ और मुकुटमणि शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपाइयों ने किया नमन



जयंती पर सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह को नमन करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक-पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती मथुरा-वृंदावन विधानसभा स्थित कैंप कार्यालय पर श्रद्धा के साथ मनाई गई। भावी प्रत्याशी अनिल अग्रवाल सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

अनिल अग्रवाल ने कहा कि नेताजी ने अपना जीवन गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित किया। उनका संघर्ष और समाजवादी विचारधारा सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। सपा नेता रमेश सैनी ने कहा कि नेताजी की सादगी और जनसेवा के आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान तेजपाल प्रधान, सूरजभान चौधरी, बबलू कश्यप, गजेंद्र शर्मा, साहिल अग्रवाल, ताराचंद्र गोस्वामी, नरेंद्र ठाकुर, सुशील कुशवाहा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अब रास्ता नहीं भटकेंगे यात्री

प्लेटफार्मों और फुट ओवरब्रिज पर लग रहे लाइट वाले दिशा सूचक बोर्ड



यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को अब रास्ता तलाशने में परेशानी नहीं होगी। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा और बेहतर आवागमन के लिए विशेष इंतजाम कर रहा है। इसके तहत सभी प्लेटफार्मों और फुट ओवरब्रिज (एफओबी) पर रोशनी वाले दिशा सूचक बोर्ड लगाए जा रहे हैं। इन बोर्डों के माध्यम से यात्रियों को प्लेटफार्म, प्रवेश और निकास द्वार सहित अन्य जरूरी स्थानों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

मथुरा जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। धार्मिक नगरी होने के कारण यहां देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। कई बार स्टेशन से अनजान यात्रियों को सही प्लेटफार्म, फुट ओवरब्रिज और बाहर निकलने का रास्ता तलाशने में परेशानी होती है। खासकर भीड़भाड़ के दौरान यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

रेलवे द्वारा लगाए जा रहे लाइट वाले दिशा सूचक बोर्ड रात के समय भी स्पष्ट दिखाई देंगे। इससे यात्रियों को संबंधित स्थान तक पहुंचने के लिए दूसरों से रास्ता पूछने की जरूरत कम पड़ेगी। बुजुर्गों, महिलाओं और पहली बार मथुरा आने वाले यात्रियों को भी इससे विशेष सुविधा मिलेगी।

जंक्शन के 2200 वर्ग मीटर क्षेत्र में लगाए जाएंगे 90 बोर्ड

जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 90 दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। ये सभी बोर्ड जंक्शन रेलवे स्टेशन के 2200 वर्ग मीटर क्षेत्र में लगाए जाएंगे। इसके लिए स्थाना चिन्हित किए जा चुके हैं।

जंक्शन रेलवे स्टेशन पर हैं तीन द्वार

जंक्शन रेलवे स्टेशन पर प्रवेश और निकास के लिए तीन द्वार हैं। कौन सा द्वार किधर है, ये दिशा सूचक बोर्ड पर दर्ज होगा। इसके साथ ही स्वच्छता का संदेश देने वाले बोर्ड भी लगाए जा रहे है, जिन पर लिखा है कि यहां ना थूके, गंदगी ना फैलाएं और स्टेशन परिसर को साफ रखें लिखा है।

> जंक्शन रेलवे स्टेशन के 2200 वर्ग मीटर क्षेत्र में लाइट वाले 90 दिशा सूचक बोर्ड लगवाए जाएंगे। साथ ही जंक्शन रेलवे स्टेशन परिसर को साफ रखें इसके भी बोर्ड लगाए जाएंगे।
>
> – सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।



सड़क सुरक्षा पखवाड़े में 200 से अधिक वाहनों के चालान



एआरटीओ प्रवर्तन सतेन्द्र कुमार सिंह चेकिंग के दौरान माल वाहक वाहन में बैठी सवारियों के बारे में जानकारी करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत रविवार को सहायक संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग और यमुना एक्सप्रेस-वे पर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान दो, तीन और चार पहिया वाहनों सहित 200 से अधिक वाहनों के चालान किए गए। कार्रवाई से वाहन चालकों में खलबली मची रही।

अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम ने हाईवे और एक्सप्रेसवे पर वाहनों की जांच की। नियम विरुद्ध संचालित हो रहे वाहनों को रोककर उनके दस्तावेज और यातायात नियमों के पालन की स्थिति देखी गई। जिन वाहन चालकों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था, उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई।

एआरटीओ प्रवर्तन सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर अभियान 30 नवंबर तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं, मालवाहक वाहन में सवारी ना बैठाई जाएं। बुलट मोटर साइकिल के साइलेंसर में किसी प्रकार का बदलाव ना किया जाए। चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें। नशे की हालत में वाहन ना चलाएं। एआरटीओ राजेश राजपूत और पीटीओ पूजा सिंह ने भी राष्ट्रीय राजमार्ग-एक्सप्रेस-वे पर चेकिंग की।

हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर चला अभियान

चालकों में मची खलबली

वाहन चोरों के हौसले बुलंद, हर दिन चोरी हो रहीं चार-पांच बाइक



नवंबर में 10 वाहन चोर गिरफ्तार, 14 दोपहिया वाहन, ई-रिक्शा और टैंकर बरामद

यूनिक समय, मथुरा। जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के पुलिस के दावों के बावजूद चोरों के हौसले पस्त नहीं हो रहे हैं। शहर से लेकर देहात तक दोपहिया वाहन चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हालात यह हैं कि प्रतिदिन चार से पांच बाइक चोरी होने की शिकायतें मिल रही हैं। वहीं, कई लोग पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने से भी बचते हैं। ऐसे में वाहन चोरी की वास्तविक संख्या का आकलन करना मुश्किल है।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी भी वाहन चोरों के हौसले नहीं तोड़ पा रही है। भीड़भाड़ वाले इलाकों से लेकर रात में गलियों और घरों के बाहर खड़े वाहन तक निशाना बनाए जा रहे हैं। कई घटनाएं कैमरों में कैद होने के बावजूद पुलिस हर मामले में चोरों तक नहीं पहुंच पा रही है। इससे वाहन चोरों में पुलिस का खौफ कम होता दिखाई दे रहा है।

हालांकि, पुलिस की कार्रवाई में वाहन चोर पकड़े भी जा रहे हैं। एक से 16 नवंबर तक विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 10 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी की 14 बाइक और स्कूटी के अलावा एक ई-रिक्शा और एक टैंकर बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से तमंचे और चाकू जैसे अवैध हथियार भी मिले हैं।

कोतवाली पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ बाइक और एक स्कूटी बरामद की। वहीं, रिफाइनरी, हाईवे, मगोर्रा और मांट थाना पुलिस ने भी कार्रवाई करते हुए चोरी की बाइक और ई-रिक्शा बरामद किए। पुलिस की गिरफ्तारियों और बरामदगी के बावजूद वाहन चोरी की घटनाएं लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सवाल यह है कि सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और लगातार कार्रवाई के बाद भी वाहन चोरों पर प्रभावी अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मथुरा रिफाइनरी में एयर रेड का अलर्ट सायरन बजते ही हुआ ब्लैक आउट

यूनिक समय, मथुरा। संभावित हवाई हमले जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए रविवार को मथुरा रिफाइनरी में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

जिला प्रशासन के निर्देश पर नागरिक सुरक्षा विभाग के समन्वय से हुए इस अभ्यास में रिफाइनरी के अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शाम करीब छह बजे सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम से एयर रेड का संदेश प्राप्त हुआ। इसके बाद रिफाइनरी के फायर कंट्रोल रूम से दो मिनट तक चेतावनी सायरन बजाया गया। अलर्ट मिलते ही प्रशासनिक भवन सहित निर्धारित क्षेत्र की लाइटें बंद कर दी गईं और ब्लैक आउट की स्थिति बनाई गई।

मॉक ड्रिल के दौरान आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। इसमें घटनास्थल पर सर्च एवं रेस्क्यू, घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, ट्रायेज और प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास हुआ। अधिकारियों ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और आपातकालीन तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान सीआईसी एचएस रुखैयार, सीजीएम (टी) अभिनव गोस्वामी, जीएम (ईएमएस) रजनीश तेवारी, डीजीएम (फायर एंड सेफ्टी) नंद प्रकाश मौर्य, एडीएम सहित संबंधित अधिकारी और विभागीय प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सायरन बजते ही बंद की गईं लाइटें

बचाव और राहत कार्यों का किया पूर्वाभ्यास

सर्च-रेस्क्यू और प्राथमिक उपचार का अभ्यास





छटीकरा अंडरपास के समीप दिल्ली से मथुरा की ओर आने वाले मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

वीकेंड पर जाम ने थामी रफ्तार,रेंगते रहे वाहन

महुवन टोल से हाईवे चौराहे तक वाहनों की कतार

छटीकरा–वृंदावन मार्ग पर श्रद्धालु हलकान

यूनिक समय, मथुरा। वीकेंड पर रविवार को सड़कों पर उमड़े वाहनों के दबाव ने यातायात व्यवस्था की रफ्तार थाम दी। शहर से लेकर हाईवे तक जाम का ऐसा झाम लगा कि लोग जहां के तहां फंसकर रह गए। महुवन टोल पर वाहनों की लंबी कतार लगी तो नवादा से हाईवे चौराहे तक गाड़ियां रेंगती रहीं। छटीकरा-वृंदावन मार्ग पर भी जाम ने श्रद्धालुओं के सफर का मजा किरकिरा कर दिया। चंद मिनटों का रास्ता तय करने में लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा। जाम में फंसे वाहन चालकों की बेचैनी बढ़ती रही, वहीं राहगीरों को भी निकलने का रास्ता नहीं मिला। महुवन टोल पर सुबह 11 बजे आगरा की ओर से आने वाले वाहनों का दबाव बढ़ने से कतारें लग गईं। टोल पार करने के लिए चालकों को 10 से 15 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। कतार में फंसे वाहन चालकों की निगाहें लगातार आगे बढ़ते वाहनों पर टिकी रहीं। जल्द निकलने की आपाधापी में वाहन एक-दूसरे के आगे घुसने लगे, जिससे स्थिति और बिगड़ती चली गई। कारों में बैठे परिवार, बुजुर्ग और बच्चों को इंतजार के चलते परेशानी झेलनी पड़ी। दोपहिया वाहन चालक भी भारी वाहनों के बीच जगह तलाशते नजर आए। नवादा से हाईवे चौराहे तक वाहनों की कतार ने स्थानीय आवागमन भी प्रभावित किया। नौकरी, कारोबार और जरूरी काम से निकले लोगों को समय पर पहुंचना मुश्किल हो गया।





हाइवे थाना चौराहा आने वाले मार्ग पर नवादा के समीप लगा जाम और थमे वाहन। रविवार को महुवन टोल पर आगरा की ओर से आने वाले मार्ग पर थमे वाहनों के पहिये।

छटीकरा–वृंदावन मार्ग पर श्रद्धालुओं का सफर अटका

छटीकरा-वृंदावन मार्ग पर जाम में श्रद्धालुओं के वाहन लंबे समय तक फंसे रहे। दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को समय की चिंता सताती रही। परिवारों के साथ आए लोगों को बच्चों और बुजुर्गों के साथ वाहनों में इंतजार करना पड़ा। बार-बार ब्रेक लगाने और रुक-रुककर चलने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ती रही। सड़क किनारे पैदल निकलने वाले राहगीर भी वाहनों के बीच रास्ता तलाशते रहे।

कई वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों की तलाश में गलियों की ओर मुड़ते दिखे, जिससे आसपास के रास्तों पर भी दबाव बढ़ने की स्थिति बनी।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर 24 नवंबर को होगा गुरमत समागम

यूनिक समय, मथुरा। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 24 नवंबर को कृष्णा नगर स्थित गुरुद्वारा डेरा बाबा करम सिंह साहिब में गुरमत समागम का आयोजन किया जाएगा। संत बाबा रोशन सिंह और संत त्रिलोक सिंह की प्रेरणा से आयोजित कार्यक्रम में गुरुवाणी, शब्द कीर्तन और भक्ति संगीत के माध्यम से संगत को निहाल किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम छह बजे दीपमाला और सोदर रहिरास साहिब के पाठ से होगा। शाम 6:30 बजे आरती-कीर्तन होगा। शाम सात से आठ बजे तक मथुरा के कीर्तनकार भाई कुलभूषण (पम्मी जी) गुरुवाणी प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद रात आठ से 9:30 बजे तक आगरा के भाई महेंद्र पाल सिंह कीर्तन करेंगे। रात 9:30 बजे अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। इसके उपरांत गुरु का अटूट लंगर बरतेगा। आयोजकों ने संगत से कार्यक्रम में पहुंचकर गुरुवाणी का लाभ लेने की अपील की है।

दो निरीक्षकों को दिया जैंत और कोसीकलां थाने का चार्ज

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी श्लोक कुमार ने दो निरीक्षकों को कोसीकलां और जैंत थानों का प्रभारी नियुक्त किया है। पीआरओ ने इस संबंध में बताया कि निरीक्षक शिव प्रसाद सिंह को क्राइम ब्रांच से हटा कर उन्हें थाना प्रभारी जैंत का चार्ज दिया गया है। इसके साथ ही प्रभारी निरीक्षक आईजीआरएस सेल से प्रवेश राणा को थाना प्रभारी निरीक्षक कोसीकलां के पद पर स्थानांतरित किया है।

वृंदावन में 24 को मनेगी निम्बार्काचार्य जयंती

यूनिक समय, मथुरा। श्रीनिम्बार्काचार्य वृन्द जयंती महोत्सव का 183वां समारोह वृंदावन में धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। 30 अक्टूबर से शुरू हुए महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महोत्सव का मुख्य पर्व 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर निम्बार्काचार्य जयंती के रूप में मनाया जाएगा। इसके अगले दिन 25 नवंबर को आचार्य प्रभु की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी। महोत्सव का समापन 29 नवंबर को छठी उत्सव के साथ होगा।

निम्बार्क कोट में होगा आचार्य प्रभु का अभिषेक, बधाई गायन के होंगे आयोजन

ठाकुर राधारमण लाल के सेवायत वृंदावनबिहारी ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन ठाकुरजी की विशेष सेवा, बधाई गायन, समाज गायन, रासलीला और संत-वैष्णव सेवा के आयोजन हो रहे हैं। निम्बार्क जयंती पर 24 नवंबर को शाम चार बजे निम्बार्काचार्य प्रभु का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद बधाई समाज गायन, ढांढी-ढाढिन लीला और फलाहार प्रसाद वितरण होगा।

उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को शाम तीन बजे से रात नौ बजे तक निम्बार्काचार्य प्रभु की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें कीर्तन मंडलियां शामिल होकर नगर को भक्तिमय बनाएंगी। 29 नवंबर को मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी पर ठाकुर राधारमण लालजी के फूल बंगला दर्शन, बधाई समाज गायन और संत-वैष्णव सेवा के साथ निम्बार्क छठी महोत्सव आयोजित होगा। सेवायत ने निम्बार्क संप्रदाय के अनुयायियों से सभी धार्मिक आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का अनुरोध किया है।

शादी में ऊंची हील्स को मात दे रहीं कढ़ाईदार जूतियां और स्नीकर्स

लहंगे–साड़ी के साथ पंजाबी जूतियों और मोजरी की बढ़ी मांग

प्री– वेडिंग समारोहों में अब ब्राइडल स्नीकर्स का क्रेज

यूनिक समय, मथुरा। शादियों के सीजन में महिलाओं और युवतियों की फुटवियर पसंद में बदलाव देखने को मिल रहा है। अब विवाह समारोहों में पारंपरिक ऊंची पेंसिल हील्स के बजाय स्टाइल के साथ आराम देने वाले फुटवियर को प्राथमिकता दी जा रही है। कढ़ाई, जरी और मिरर वर्क वाली पंजाबी जूतियां और मोजरी जहां पारंपरिक परिधानों के साथ पसंद की जा रही हैं, वहीं प्री-वेडिंग समारोहों में एम्ब्रॉयडरी और स्टोन वर्क वाले ब्राइडल स्नीकर्स का चलन तेजी से बढ़ा है।



शहर के होली गेट, घीयामंडी, चौक बाजार और कृष्णा नगर के फुटवियर शोरूम पर इन दिनों डिजाइनर जूतियों और मोजरी की मांग बढ़ी हुई है। महिलाएं इन्हें लहंगे, भारी साड़ी और अनारकली सूट के साथ पहनना पसंद कर रही हैं। विक्रेताओं के अनुसार, फ्लैट सोल और आकर्षक कढ़ाई वाली ये जूतियां लंबे समय तक चलने-फिरने में आराम देती हैं। शादी समारोहों में घंटों खड़े रहने और नाच-गाने के दौरान भी पैरों पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता।

दूसरी ओर हल्दी, मेहंदी और संगीत जैसे प्री-वेडिंग फंक्शन में ब्राइडल स्नीकर्स नई पसंद बनकर उभरे हैं। मोती, स्टोन और रंगीन धागों की कढ़ाई से सजे ये स्नीकर्स लहंगे और गाउन के साथ आकर्षक लुक देते हैं। खास बात यह है कि इन्हें पहनकर दुल्हनें और उनकी सहेलियां डांस फ्लोर पर बिना परेशानी के थिरक सकती हैं।

आराम और फैशन का संगम

महिला फुटवियर विकेता दिव्या अग्रवाल के अनुसार, इस सहालग में ग्राहक केवल चमक-दमक नहीं, बल्कि आराम को भी महत्व दे रहे हैं। पेंसिल हील्स के स्थान पर मिरर वर्क और जरी की कढ़ाई वाली पंजाबी जूतियों और मोजरी की मांग बढ़ी है। फुटवियर कारोबारी गौरव आहूजा बताते हैं कि प्री-वेडिंग और संगीत समारोहों के लिए एम्ब्रॉयडरी और स्टोन वर्क वाले स्नीकर्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। दुल्हनें और उनकी सहेलियां लहंगे के साथ पहनने के लिए खास डिजाइन के स्नीकर्स खरीद रही हैं।

बरसाना में दो दिवसीय अष्टसखी परिक्रमा कल से, जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

यूनिक समय, बरसाना। राधारानी की नगरी में कार्तिक पूर्णिमा पर दो दिवसीय श्रीराधारानी अष्टसखी परिक्रमा 23 और 24 नवंबर को निकाली जाएगी। इसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पदम फौजी ने बताया कि पहले दिन परिक्रमा प्रियाकुंड से गुलाब सखी, प्रेम सरोवर, गाजीपुर, संकेत, रीठौरा, कात्यायनी मंदिर, संकेत बिहारी, आंजनौख, करहला, कमई और ब्रजेश्वर महादेव के दर्शन करते हुए वृषभानु कुंड पहुंचेगी। दूसरे दिन 24 नवंबर को प्रियाकुंड से शुरू होकर परिक्रमा वहीं संपन्न होगी।

उन्होंने बताया कि अष्टसखी परिक्रमा का धार्मिक महत्व ब्रज की 84 कोस परिक्रमा के समान माना जाता है। मार्ग में

ब्रजाचार्य पीठ के नेतृत्व में प्रियाकुंड से होगी शुरुआत 24 नवंबर को होगा समापन

करहला और सुनहरा स्थित सखी मंदिरों पर प्रवचन होंगे। परिक्रमा निःशुल्क है। पथरीले रास्ते को देखते हुए श्रद्धालुओं से कपड़े वाली चप्पल पहनकर आने की अपील की गई है। आयोजन शहीद भगत सिंह क्रांति दल और बरसाना के ब्रजवासियों द्वारा किया जा रहा है। ब्रजाचार्य पीठ के गोस्वामी कृष्णानंद नारायण भट्ट, नोनजी महाराज, उपेंद्र भट्ट, रोहित महाराज, गोविंद मुनीम, पदम फौजी, चंदन फौजी, कलुआ गौर, बुद्धा ठाकुर, मिल्खा सिंह, विजेंद्र आदि ने धर्मप्रेमी लोगों से इस परिक्रमा का लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

अब कक्षा पांच तक के बच्चों का भी होगा शैक्षिक दक्षता परीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता परखने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग नई पहल करने जा रहा है। अब कक्षा एक और दो के साथ कक्षा तीन, चार और पांच के विद्यार्थियों की शैक्षिक दक्षता का भी आकलन किया जाएगा। इसके लिए फरवरी 2027 के पहले सप्ताह में पहली बार कक्षा एक से पांच तक के बच्चों का सैंपल आकलन कराया जाएगा। अभी तक यह प्रक्रिया मुख्य रूप से कक्षा एक और दो तक सीमित थी।

जिले के 1536 परिषदीय विद्यालयों में सवा लाख से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हैं। नए



फरवरी में पहली बार होगा सैंपल आकलन निपुण प्लस एप से दर्ज होगा मूल्यांकन

परिणाम के आधार पर घोषित होंगे निपुण विद्यालय और निपुण विकासखंड

निर्देशों के तहत कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों की निपुण लक्ष्य आधारित दक्षताओं को परखा जाएगा।

इसके लिए प्रत्येक विकासखंड से एक विद्यालय का चयन किया जाएगा। आकलन की जिम्मेदारी एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) को सौंपी गई है।

पूरी प्रक्रिया निपुण प्लस एप के माध्यम से संचालित होगी। आकलन में विद्यार्थियों से बहुविकल्पीय और वर्णनात्मक दोनों प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर एआरपी एप पर दर्ज करेंगे, जबकि वर्णनात्मक प्रश्नों के जवाब विद्यार्थी ए-फोर शीट पर लिखेंगे।

एआरपी निर्धारित मानकों के अनुसार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाओं की तस्वीर और प्रत्येक प्रश्न में प्राप्त अंक निपुण प्लस एप पर अपलोड किए जाएंगे।

आकलन प्रक्रिया शुरू होने से पहले सभी एआरपी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें उन्हें मूल्यांकन के निर्धारित मानकों और निपुण प्लस एप के इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी, ताकि सभी विकासखंडों में आकलन की प्रक्रिया एक समान रहे और परिणामों में पारदर्शिता बनी रहे।

बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि शासन के निर्देश पर पहली बार कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों का सैंपल आकलन कराया जाएगा। इसकी तैयारियां निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएंगी। आकलन के परिणामों के आधार पर निपुण विद्यालय और निपुण विकास खंड घोषित किए जाएंगे।

फरह चौराहे पर फिर लौटा गंदा पानी, जिम्मेदारों में ठनी

यूनिक समय, फरह। चार दिन की चांदनी और फिर वही अंधेरी रात वाली कहावत फरह चौराहे पर सटीक बैठ रही है। नगर पंचायत और हाईवे टोल प्रबंधन के बीच जिम्मेदारी की खींचतान में स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को गंदे पानी के जलभराव से जूझना पड़ रहा है। कचरे से भरे हाईवे के नालों का पानी उफनकर सर्विस रोड पर जमा हो रहा है। अंडरपास के समीप रविवार सुबह से ही गंदे पानी का जमावड़ा होने से राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी।

एक दिन पहले ही यूनिक समय ने फरह चौराहे पर गंदे पानी का तालाब बनने की समस्या को उजागर किया गया था। इसके बाद जिम्मेदारों की नींद टूटी और पानी निकलवाकर लोगों को कुछ समय के लिए राहत दी गई, लेकिन



फरह कस्बा में अंडरपास के समीप सर्विस रोड पर भरा गंदा पानी।

चार दिन की चांदनी के बाद फिर अंधेरी रात

अंडरपास के पास जलभराव से राहगीर परेशान

महज एक दिन बाद रविवार सुबह फिर वही हालात बन गए। नालों की सफाई और जलनिकासी का स्थायी इंतजाम नहीं होने से समस्या दोबारा खड़ी हो गई। नगर पंचायत प्रशासन संसाधनों की कमी का हवाला दे रहा है, जबकि हाईवे के अधिकारी समस्या के लिए नगर पंचायत को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। दोनों विभागों के बीच जिम्मेदारी तय नहीं होने का खामियाजा कस्बे के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। गंदे पानी से होकर गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को फिसलने का खतरा बना रहता है, वहीं पैदल राहगीरों को भी रास्ता पार करने में दिक्कत होती है। आसपास के दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भी दुर्गंध और गंदगी से परेशानी झेलनी पड़ रही है।

नागरिकों का कहना है कि अस्थायी रूप से पानी निकलवाने के बजाय नालों की सफाई और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए। लोगों ने नगर पंचायत और हाईवे प्रबंधन से आपसी समन्वय बनाकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

शिक्षकों के डेटा की होगी जांच गड़बड़ी पर स्कूलों पर जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड परीक्षा 2027 की तैयारियों के तहत माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के रिकॉर्ड का सत्यापन कराया जाएगा। शैक्षिक योग्यता, नियुक्ति और विषय संबंधी विवरण में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक को 10 दिसंबर तक विद्यालयवार जांच पूरी कर रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। विद्यालयों को 15 नवंबर तक शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और कर्मचारियों का विवरण पोर्टल पर अपडेट करना था। अब डीआईओएस इसकी जांच करेंगे। इसमें नाम, पदनाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, मोबाइल नंबर, विषय कोड और शैक्षिक योग्यता का मिलान किया जाएगा।

परिषद ने डुप्लीकेट रिकॉर्ड पर भी

10 दिसंबर तक डीआईओएस करेंगे विद्यालयवार सत्यापन अपात्र शिक्षकों की परीक्षा ड्यूटी पर रोक

सख्ती की है।

किसी शिक्षक का नाम दो विद्यालयों में दर्ज नहीं होना चाहिए। विद्यालय छोड़ चुके और दिवंगत कर्मचारियों के नाम हटाने होंगे, जबकि नए नियुक्त कर्मचारियों का विवरण दर्ज करना अनिवार्य होगा। डिबार शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को भी पोर्टल पर चिन्हित करना होगा। निर्देशों के मुताबिक, अपात्र शिक्षकों को परीक्षा कार्य से दूर रखा जाएगा। गड़बड़ी मिलने पर प्रधानाचार्य और प्रबंधक की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों और कर्मचारियों के कंप्यूटरीकृत पहचान पत्र भी तैयार होंगे।

75 छात्राओं ने किया मथुरा रिफाइनरी का शैक्षणिक भ्रमण



शैक्षणिक भ्रमण के दौरान मथुरा रिफाइनरी में मौजूद छात्राएं आदि।

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ के आदर्श माध्यमिक विद्यालय की 75 छात्राओं और छह शिक्षकों दल ने मथुरा रिफाइनरी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं ने पेट्रोलियम उद्योग की कार्यप्रणाली को करीब से समझा और कच्चे तेल के शोधन से लेकर विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों के निर्माण तक की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

रिफाइनरी पहुंचने पर छात्राओं और शिक्षकों का स्वागत किया गया। महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएं) अभिनव गोस्वामी ने छात्राओं को बताया कि रिफाइनरी में कच्चे तेल का विभिन्न चरणों में शोधन किया जाता है। इस प्रक्रिया से पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन (एटीएफ), एलपीजी और नेफ्था जैसे उपयोगी उत्पाद तैयार होते हैं। उन्होंने बताया कि इन उत्पादों का दैनिक जीवन और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान है।

कच्चे तेल के शोधन पेट्रोलियम उत्पादों के निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था की मिली जानकारी

भ्रमण के दौरान छात्राओं को रिफाइनरी में अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा दक्षता की व्यवस्थाओं से भी अवगत कराया गया। अधिकारियों ने औद्योगिक उत्पादन में सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के महत्व को समझाया।

इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को किताबी ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर मिला। उन्होंने पेट्रोलियम शोधन की तकनीक और आधुनिक औद्योगिक व्यवस्था को नजदीक से जाना।

कमरे में कैद बुजुर्ग की पुलिस ने दरवाजा तोड़ बचाई जान

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से शनिवार रात कमरे में कैद हुए एक वृद्ध की जान बच गई। थाना कोतवाली क्षेत्र की कृष्णानगर चौकी के अंतर्गत महावीर नगर में दरवाजे का लॉक खराब होने से वह अंदर ही फंस गए। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उनकी हालत बिगड़ने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हथौड़े और लातों से दरवाजा तोड़कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार महावीर नगर, कृष्णानगर निवासी विशंभर दयाल पुत्र एमपी शास्त्री शनिवार रात करीब 10:30 बजे अपने कमरे में थे।

इसी दौरान अचानक दरवाजे का लॉक खराब हो गया और वह अंदर ही बंद रह गए। उन्होंने दरवाजा



कमरे में कैद बुजुर्ग के साथ जान बचाने वाले पुलिसकर्मी।

लॉक खराब होने से अंदर फंसे व्यक्ति का घुटने लगा था दम कृष्णानगर चौकी पुलिस ने सुरक्षित निकाला

खोलने के काफी प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। कमरे में फंसने के कारण उन्हें घुटन होने लगी। उन्होंने पड़ोसियों और परिचितों को फोन कर मदद मांगी, लेकिन सहायता नहीं मिल सकी।

हालत बिगड़ने पर उन्होंने डायल 112 पर फोन कर घटना की जानकारी दी।

112 की टीम ने तत्काल कृष्णानगर चौकी प्रभारी को सूचना दी। इसके बाद चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने पहले लात मारकर दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद हथौड़े आदि की मदद से दरवाजा तोड़कर विशंभर दयाल को सकुशल बाहर निकाल लिया। पुलिस की तत्परता से उन्हें समय रहते राहत मिल गई।

पुष्पों से सजी नौका में विराजे श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र

यूनिक समय, वृंदावन। चंद्रोदय मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय भव्य कार्तिक उत्सव के द्वितीय दिवस पर श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र का दिव्य नौका विहार उत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान पुष्पों से सुसज्जित आकर्षक नौका में विराजमान अपने आराध्य के मनोहारी दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। उत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीश्री राधा वृंदावनचंद्र को पालकी में विराजमान कर मंदिर के गर्भगृह से कल्याणी तक लाया गया। यहां पहुंचने पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य आरती की गई। इसके पश्चात विभिन्न प्रकार के सुगंधित और आकर्षक पुष्पों से सुसज्जित नौका में भगवान को विराजमान कराया गया।



पुष्पों से सजी नौका में विराजमान होकर श्रीश्री राधा वृंदावनचंद्र भक्तों को दर्शन देते।

हरिनाम संकीर्तन की मधुर धुनों के बीच भगवान का दिव्य नौका विहार प्रारंभ हुआ।

इस दौरान श्रद्धालुओं के जयकारों और हरिनाम संकीर्तन से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर श्रीश्री राधा वृंदावनचंद्र के श्रीविग्रहों का विशेष वस्त्रों और सुगंधित पुष्पों से मनोहारी

छप्पन भोग दामोदराष्टकम के सामूहिक गान और दीपदान से भक्तिमय हुआ चंद्रोदय मंदिर

श्रृंगार किया गया। भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। वहीं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री दामोदराष्टकम का भावपूर्ण गान किया। इसके बाद भक्तों ने अपने आराध्य के श्रीचरणों में दीप प्रज्वलित कर श्रद्धापूर्वक दीपदान किया। संपूर्ण आयोजन भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहा।

तरौली में सजा स्वामी बाबा का लक्खी मेला,उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, तरौली। चौमुहां क्षेत्र के गांव तरौली में देवोत्थान एकादशी से आयोजित होने वाला श्री स्वामी बाबा का पांच दिवसीय लक्खी मेला रविवार को शुरू हो गया। मेले का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने फीता काटकर किया। मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। सोमवार और मंगलवार को मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। मेला पूर्णिमा तक चलेगा।


गांव तरौली में स्वामी बाबा मेले का फीता काटकर शुभारंभ करते कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी।

श्री स्वामी बाबा मंदिर के निकट स्थित दैवीय तारक कुंड में स्नान और मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंदिर के पुजारी होती लाल ने बताया कि मान्यता है कि कुंड में स्नान करने से त्वचा संबंधी पुराने रोगों से मुक्ति मिलती है। शिव पुराण की कथा के अनुसार इसी स्थान पर भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय ने दैत्यराज तारकासुर का वध किया था। तभी से भगवान कार्तिकेय की श्री स्वामी बाबा के रूप में पूजा की जाती है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि बाबा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

मेला कमेटी अध्यक्ष-प्रधान मूलचंद सिसौदिया ने बताया कि मेले में 23 और 24 नवंबर को दो दिवसीय कुश्ती दंगल आयोजित होगा।

इसमें दूर-दराज से आने वाले पहलवान अपने दांव-पेंच दिखाकर मल्लविद्या का प्रदर्शन करेंगे।

श्री स्वामी बाबा का पांच दिवसीय लक्खी मेला शुरू

तारक कुंड में स्नान और दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु, 23 और 24 नवंबर को होगा कुश्ती दंगल

सप्तम् पुण्यतिथि



स्व० खुशी अग्रवाल

जन्म-04.06.2000 - स्वर्गवास-23.11.2019

आज तुम्हारी सप्तम् पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारीजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

बहुत जल्द चली गई तुम हमें छोड़कर, रह गई बस मीठी यादें और तन्हाई
तुम्हारी कमी हर पल खलती है बेटा, आँखों में भर आती है बस परछाई।

श्रद्धानवत्

डॉ. राजीव गुप्ता- डॉ. प्रीती गुप्ता (माता-पिता)
प्रखर अग्रवाल (भाई) एवं समस्त परिवार।

प्रतिष्ठानः-
संजीवनी क्लीनिक, राधिका बिहार, फेस-1,मथुरा
मो. : 8272010124/25

निर्वाचन विशेष अभियान के तहत बूथों का निरीक्षण, बीएलओ को दिए निर्देश


बीएलओ से जानकारी लेती तहसीलदार न्यायिक वैशाली अहलावत।

यूनिक समय, छाता। निर्वाचन विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को छाता विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान नवागत तहसीलदार न्यायिक वैशाली अहलावत ने बूथों पर पहुंचकर निर्वाचन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथों पर तैनात बीएलओ और सुपरवाइजर से मतदाता सूची पुनरीक्षण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराए जाएं। कोई भी पात्र मतदाता पंजीकरण से वंचित न रहने पाए। वैशाली अहलावत ने निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों से पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा। साथ ही अभियान के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने और मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिए।

पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने पर दिया जोर

डॉ. पौनिया ने जन्मदिवस को बनाया सेवा दिवस, जरूरतमंदों को बांटे कंबल


सहयोगियों के साथ हवन करते चिकित्सक-योग प्रशिक्षक डॉ. अमर सिंह पौनिया।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के चिकित्सक-योग प्रशिक्षक डॉ. अमर सिंह पौनिया ने रविवार को अपना जन्मदिवस सेवा और संस्कार के रूप में मनाया। इस अवसर पर पौनिया क्लीनिक परिसर में धार्मिक-सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह से ही उन्हें शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ से हुआ। डॉ. अमर सिंह पौनिया ने परिवार सहित आहुतियां देकर नगरवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की। इसके बाद उन्होंने गरीब, असहाय, वृद्ध और जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित किए। उपस्थित लोगों को फल और खाद्य सामग्री भी बांटी गई। डॉ. पौनिया ने कहा कि जन्मदिन की सार्थकता तभी है, जब इस अवसर पर किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के साथ योग के माध्यम से भी लोगों को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। इस मौके पर दिगंबर, बबलू, प्रदीप, वकील, नरसिंह, हरफूल प्रधान, देशराज पटेल, चंदर पौनिया, संजीव अग्रवाल और गजेंद्र प्रधान सहित नगर के गणमान्य नागरिक, चिकित्सक-व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने दुपट्टा पहनाकर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं और दीर्घायु-उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हवन-यज्ञ कर नगरवासियों के सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की

जिले में बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक


प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद में पोलियो बूथ का फीता काटकर शुभारंभ करते सीएमओ डॉ. राधावल्लभ। साथ में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह और प्रधानाध्यापक ममता शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए रविवार को जिले में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद में बनाए गए पोलियो बूथ पर सीएमओ डॉ. राधावल्लभ ने फीता काटकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह और विद्यालय की प्रधानाध्यापक ममता शर्मा मौजूद रहीं।

सीएमओ ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलवाएं। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें बूथों पर दवा पिलाने के साथ घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी, जिससे कोई भी बच्चा छूटने न पाए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह ने बताया कि जिले में अभियान के तहत कुल 4,98,815 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बूथों पर दवा पिलाने के बाद घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को भी खुराक दी जाएगी। अभियान के तहत 30 नवंबर को बी-टीम गतिविधि आयोजित की जाएगी।

बूथ पर फीता काटकर सीएमओ ने किया अभियान का शुभारंभ

24 नवंबर को 5122वीं जयन्ती पर निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में सुदर्शन चक्रावतार निम्बार्क भगवान की 5122वीं जयंती महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर अनंत विभूषित जगद्गुरु त्रिश्वार्काचार्य पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य (श्रीजी महाराज) के सानिध्य में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित यह शोभा यात्रा 24 नवंबर मंगलवार को सायं 4 बजे तोताराम मंदिर (काली मंदिर) रामनगर से प्रारंभ होगी।

नगर के इतिहास में यह पहला अवसर है जब त्रिश्वार्काचार्य पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीजी महाराज के सानिध्य में जयन्ती शोभा यात्रा निकलेगी, जिसे लेकर नगर के संत समाज और भक्तों में भारी उत्साह है। शोभा यात्रा रामनगर से प्रारंभ होकर घंटाघर, अग्रसेन चौक, थाना रोड, मैन बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए बिहारी जी मंदिर, तालाब शाही पर संपन्न होगी। व्यापार मंडल के मनीष अग्रवाल ने बताया कि शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। नगर में जगह-जगह व्यापारियों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा।

सामाजिक न्याय सम्मेलन में 2027 में सत्ता परिवर्तन की हुंकार

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के आह्वान पर ग्राम दामोदरपुरा में रविवार को आयोजित सामाजिक न्याय एवं भागीदारी सम्मेलन में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। सम्मेलन में पिछड़े, दलित, शोषित और वंचित समाज की एकजुटता के दम पर 2027 में सत्ता परिवर्तन का संकल्प लिया गया। संविधान की रक्षा, जातिगत जनगणना, आरक्षण और आबादी के अनुपात में राजनीतिक भागीदारी की मांग उठाई गई।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय सचिव-प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमले लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय हैं।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने जातिगत जनगणना को सामाजिक न्याय के लिए जरूरी बताया।



सामाजिक न्याय सम्मेलन में प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम को बुद्ध प्रतिमा देते केके गौतम।

राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, राजकुमार मौर्या, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी और पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने भी विचार रखे।

प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी विभाग मनोज यादव, जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, मीडिया विभाग के चेयरमैन कुंवर सिंह निषाद ने एकजुटता पर जोर दिया। वरिष्ठ नेता केके गौतम ने राजेंद्र पाल गौतम को प्रतिमा भेंटकर स्वागत किया।

सम्मेलन में विक्रम वाल्मीकि, शिवदत्त चतुर्वेदी, रमेश कश्यप, मनोज गौड़, पंकज चौधरी, सरवन अहमद, उमेश शर्मा, आदित्य तिवारी, राजन पाठक, बलवीर प्रधान, राजा गौतम, अशोक निषाद, करन निषाद, रवि वाल्मीकि, हाशिम हुमेंर, संदीप चौधरी, कीर्ति कौशिक, आशीष अग्रवाल, धर्मेंद्र सिंह, अमित दीक्षित, दीपक दीक्षित, धीरज शर्मा, लक्ष्मी नारायण, रूपेश धनगर, श्याम चौधरी, रूपा लवानिया, गीत दिवाकर, महेश चौबे, भूरी सिंह, अशोक सिंह, प्रवीण ठाकुर, हर्ष चौरसिया, पीयूष अग्रवाल, मोनू निषाद, डॉ. डीडी गर्ग, विवेक कुमार, राजेश कुमार, अजय कुमार, सोनू फौजी, तस्वीर चौधरी, भगवान सिंह निषाद, अनिल खरे, रामवीर चौधरी, भगवान देवी और काशन रिजवी सहित हजारों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

संविधान की रक्षा, जातिगत जनगणना, आरक्षण और आबादी के अनुपात में भागीदारी की उठी मांग

कोकिलावन धाम में 23 से 29 नवंबर तक होगी श्रीमद्भागवत कथा

यूनिक समय, कोसीकलां। शनि धाम कोकिलावन में 68वें वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव के अंतर्गत सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 23 से 29 नवंबर तक किया जाएगा। कथा का वाचन अनंत विभूषित जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य (श्रीजी महाराज) करेंगे।

मंदिर प्रशासन की ओर से कथा में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मंदिर के महंत बालकदास ने बताया कि इस बार भी कथा श्रवण के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को लेकर तैयारियां की गई हैं। आयोजन समिति ने समस्त ब्रजवासियों और शनि भक्तों से कथा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने और पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

68वें वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव में श्याम शरण देवाचार्य महाराज करेंगे कथा का वाचन

सुविचार

जो दूसरों के दर्द को समझता है, उसके अपने जीवन में खुशियां कभी कम नहीं होतीं।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	02:37-11:42 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	भरणी	04:15-02:02 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय		6:46 AM	चन्द्रोदय	04:12 PM
सूर्यास्त		5:25 PM	चंद्रास्त	06:18 AM
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:58-05:51
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:06 AM: 09:26 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नवंबर के आखिरी सप्ताह में चमकेगी पांच राशियों की किस्मत



धन लाभ के साथ मिलेंगे तरक्की के मौके

धनु और मीन राशि को भी मिल सकती है खुशखबरी

यूनिक समय, मथुरा। नवंबर का आखिरी सप्ताह कुछ राशि के जातकों के लिए नई उम्मीदें और खुशियां लेकर आ सकता है। बाबा वेंगा के नाम से प्रचलित भविष्यवाणियों और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, 23 से 29 नवंबर 2026 के बीच पांच राशियों के लोगों को भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, वहीं कारोबारियों को नई योजनाओं से फायदा होने की उम्मीद है। लंबे समय से अटके काम पूरे होने और आर्थिक परेशानियों से राहत मिलने की संभावना भी जताई जा रही है। इन पांच राशियों में वृषभ, कर्क, तुला, धनु और मीन शामिल हैं। आइए जानते हैं इन राशि वालों के लिए कैसा रह सकता है आने वाला सप्ताह।

वृषभ राशि: इस राशि के जातकों के लिए सप्ताह आर्थिक रूप से अनुकूल रह सकता है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों को नई जिम्मेदारी या पदोन्नति का अवसर मिल सकता है। कारोबारियों को किसी नई डील से लाभ होने के संकेत हैं। पारिवारिक जीवन में सुख–शांति बनी रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों के लिए सप्ताह उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। निवेश से जुड़े फैसले सोच–समझकर लेना बेहतर रहेगा। परिवार में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि: तुला राशि वालों के रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। नौकरी बदलने की योजना बना रहे लोगों को अच्छा अवसर मिल सकता है। व्यापार में मुनाफा बढ़ने और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। सामाजिक मान–सम्मान में भी वृद्धि हो सकती है।

धनु राशि: इस राशि के जातकों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए सप्ताह सकारात्मक रह सकता है। कारोबार विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों को पुरानी परेशानियों से राहत मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। आय के नए स्रोत बनने से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहने की उम्मीद है। प्रेम और वैवाहिक जीवन में भी मधुरता बढ़ सकती है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

ब्रह्मा का अहंकार तोड़ने को प्रकट हुए थे काल भैरव



काल भैरव जयंती एक दिसंबर को

निशिता मुहूर्त में होगी विशेष पूजा

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव को समय और मृत्यु का स्वामी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को काल भैरव प्रकट हुए थे। इसी कारण हर साल इस तिथि को काल भैरव जयंती मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह पर्व 1 दिसंबर को मनाया जाएगा। काल भैरव को काशी का कोतवाल भी कहा जाता है। मान्यता है कि उनकी आराधना से भय, बाधाएं और नकारात्मकता दूर होती है।

काल भैरव जयंती पर ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:08 से 6:02 बजे तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:49 से दोपहर 12:31 बजे तक है। वहीं, निशिता मुहूर्त रात 11:43 से अगले दिन 12:38 बजे तक रहेगा। इस दौरान पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है।

शिव पुराण की कथा के अनुसार, एक बार ब्रह्मा और विष्णु में श्रेष्ठता को लेकर विवाद हुआ। ब्रह्मा के अहंकार और शिव के अपमान से नाराज होकर भगवान शिव ने काल भैरव को प्रकट किया। उन्होंने ब्रह्मा के पांचवें मुख को अलग कर दिया। इसके बाद ब्रह्म हत्या के दोष से मुक्ति पाने के लिए काल भैरव काशी पहुंचे। वहां दोषमुक्त होने के बाद वे काशी के रक्षक और कोतवाल कहलाए।

नमक का डिब्बा बदल सकता है घर की किस्मत



पश्चिम दिशा में नमक रखना माना जाता है शुभ

कांच के डिब्बे को दी जाती है प्राथमिकता

यूनिक समय, मथुरा। रसोई में नमक का इस्तेमाल रोजाना होता है, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे केवल स्वाद बढ़ाने वाली चीज नहीं, बल्कि सुख–समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा से भी जोड़कर देखा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, नमक का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। ऐसे में नमक किस दिशा में और किस बर्तन में रखा जाता है, इसे लेकर कुछ खास नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई में नमक रखने के लिए पश्चिम दिशा को उपयुक्त माना गया है। मान्यता है कि इस दिशा में नमक रखने से घर में सकारात्मकता और सुख-समृद्धि बनी रहती है। हालांकि, ये पारंपरिक वास्तु मान्यताएं हैं, इनका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, नमक रखने के लिए कांच या सिरेमिक का साफ डिब्बा बेहतर माना जाता है। स्टील और लोहे के बर्तनों में नमक रखने से बचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा नमक को हमेशा ढक्कन लगाकर रखना चाहिए। खुले डिब्बे में धूल और गंदगी पहुंच सकती है।

नमक के डिब्बे को पानी, नमी और कूड़ेदान के पास नहीं रखना चाहिए। नमक निकालने के लिए सूखे चम्मच का इस्तेमाल करना बेहतर है। वास्तु मान्यताओं में नमक को दूसरे मसालों से अलग रखने की सलाह भी दी जाती है। वहीं, घर में सकारात्मकता के लिए कांच की कटोरी में सेंधा नमक रखने और समय–समय पर उसे बदलने की परंपरा भी प्रचलित है।

कुंभ की तर्ज पर भव्य होगा गंगासागर मेला, ढाई गुना बढ़ेगा परिसर



पश्चिम बंगाल सरकार ने शुरू की तैयारियां

300 मछुआरा परिवारों का होगा पुनर्वास

मकर संक्रांति पर लाखों श्रद्धालु लगाएंगे आस्था की डुबकी

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप में आयोजित होने वाला गंगासागर मेला वर्ष 2027 में नए स्वरूप और भव्यता के साथ नजर आएगा। इस बार राज्य सरकार मेले को कुंभ की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए मेला क्षेत्र का विस्तार करने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने की योजना बनाई गई है। हर साल मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाले इस मेले में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालु गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्नान करने के बाद कपिल मुनि मंदिर में दर्शन करते हैं।

प्रशासनिक योजना के अनुसार, मेले का मौजूदा परिसर लगभग ढाई गुना बड़ा किया जाएगा। इसके लिए कपिल मुनि आश्रम के नजदीक स्नान घाट संख्या छह और सात से लगी सरकारी जमीन को शामिल करने की तैयारी है। इस विस्तार के लिए क्षेत्र में रहने और काम करने वाले मछुआरों के करीब 300 परिवारों को दूसरी जगह स्थायी रूप से बसाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पर्याप्त जगह और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। गंगासागर मेले का सबसे महत्वपूर्ण दिन मकर संक्रांति होता है। इस अवसर पर श्रद्धालु संगम में पवित्र स्नान करते हैं और सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसके बाद अन्न, वस्त्र और धन का दान करने की परंपरा है। वर्ष 2027 में भी मकर संक्रांति के आसपास मेले की प्रमुख धार्मिक गतिविधियां आयोजित होंगी। स्नान का सटीक पुण्यकाल प्रशासन और पुजारियों की ओर से घोषित किया जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गंगासागर का संबंध राजा सगर और उनके 60 हजार पुत्रों की पौराणिक कथा से है। माना जाता है कि मां गंगा के धरती पर आने के बाद इसी स्थान पर उनके जल से राजा सगर के पुत्रों को मुक्ति मिली थी। इसी वजह से यहां स्नान को मोक्षदायी माना जाता है। गंगासागर की इसी धार्मिक महत्ता के कारण सदियों से श्रद्धालुओं में विशेष आस्था बनी हुई है। कहा जाता है कि कुंभ के बाद गंगासागर में सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा होता है। इसी आस्था से यह कहावत प्रचलित हुई है– 'सब तीरथ बार–बार, गंगासागर एक बार।'

सम्पादकीय

घर की सफाई नहीं, आदतों की असली परीक्षा है

घर में घुसते ही अगर जूते अपनी जगह मिल जाएं, सोफा कुशन से सजा हो, मेज पर अखबार करीने से रखा हो और रसोई चमचमाती मिले, तो समझिए घर में कोई 'सफाई मंत्री' जरूर तैनात है। हालांकि इस पद के लिए न कोई चुनाव होता है, न वेतन मिलता है। उल्टे परिवार के सदस्यों की नाराजगी बोनस में मिलती है।



पवन गौतम
संपादक

हर घर में एक ऐसा व्यक्ति जरूर होता है, जिसे दूसरे के हाथ से सामान छूटते ही उसकी गलत जगह दिखाई देने लगती है। वह टीवी देखते हुए भी सोफे पर पड़े रिमोट की अव्यवस्था महसूस कर लेता है। उसकी नजर से न कुर्सी पर पड़ी शर्ट बचती है, न सिंक में रखा खाली कप। परिवार वाले उसे सनकी समझते हैं, लेकिन मेहमान उसी के घर की तारीफ करते नहीं थकते।

दरअसल, साफ–सुथरा घर किसी महंगे फर्नीचर या सफाई कर्मचारी की देन नहीं, बल्कि छोटी–छोटी आदतों का नतीजा है। कमरे से निकलते समय खाली हाथ न लौटना, खाना बनाते हुए रसोई समेटना और रोज पांच मिनट बिखरे सामान को ठिकाने लगाना ऐसी तरकीबें हैं, जिनसे घर बिना किसी बड़े अभियान के व्यवस्थित रह सकता है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

मगर असली चुनौती सफाई करना नहीं, परिवार को सफाई की आदत डालना है। घर में एक सदस्य सामान समेटता रहे और बाकी सदस्य उसे फैलाने की प्रतियोगिता करते रहें, तो व्यवस्था का पूरा गणित बिगड़ जाता है। ऐसे घरों में मां का 'यहां क्यों रखा है?' राष्ट्रीय नारा बन जाता है और बच्चों का 'अभी तो इस्तेमाल करूंगा' स्थायी बहाना।

बिस्तर ठीक करना, वॉश बेसिन सुखाना और इस्तेमाल के बाद सामान निर्धारित जगह पर रखना मामूली काम लग सकते हैं, लेकिन इनसे जिम्मेदारी का संस्कार पैदा होता है। घर तभी व्यवस्थित होता है, जब हर सदस्य उसे अपना समझकर उसकी देखभाल करे।

फंडा यह है कि मां जब जूते रैक में रखने या कपड़े तह करने को कहें, तो उसे उनका बेवजह का अनुशासन मत समझिए। संभव है, वे आपको जिंदगी का वह प्रबंधन सिखा रही हों, जिसकी कीमत बड़े–बड़े मैनेजमेंट संस्थान भी नहीं समझा पाते।

आखिर घर में चीजें अपनी जगह पर हों, तो रिश्तों में भी थोड़ी जगह बची रहती है!

नजरिया

कृत्रिम मेधा के भरोसे दुनिया अब उसी से मंडराया संकट

बोध प्रकाश सगुणी



दुनिया जिस कृत्रिम मेधा (एआई) को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत मानकर अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासन की बुनियाद बना रही है, वही तकनीक अब नई वैश्विक चुनौती बनकर सामने आ रही है। सवाल केवल यह नहीं है कि कृत्रिम मेधा इंसानों के कितने काम आसान कर सकती है, बल्कि यह भी है कि क्या दुनिया अपनी पूरी व्यवस्था कुछ गिनी–चुनी तकनीकी कंपनियों, स्वचालित प्रणालियों और संगणक आधारित निर्देशों के भरोसे छोड़कर बड़े खतरे की ओर बढ़ रही है?

अमेरिका में एक ही सप्ताह के भीतर विमानन, बैंकिंग, संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं में आई रुकावटों ने डिजिटल दुनिया की कमजोरियों को उजागर कर दिया। माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक, जेपी मॉर्गन चेज और एप्पल की सेवाएं प्रभावित हुईं। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी का गोपनीय संचार तंत्र भी ठप पड़ गया। वहीं, संघीय विमानन प्रशासन के संचार तंत्र में आई समस्या के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं और करीब 12,462 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इन घटनाओं ने दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया कि तकनीकी विकास के साथ कहीं जोखिम भी तो तेजी से नहीं बढ़ रहा है?

इन घटनाओं के पीछे तकनीकी गड़बड़ियों के अलग–अलग कारण सामने आए। कहीं पुराने संगणक कार्यक्रमों की खामियां थीं, तो कहीं संचार उपकरणों की खराबी और नए बदलाव जिम्मेदार बने। अमेरिकी कांग्रेस के अधिकारियों को दी गई जानकारी के अनुसार, कृत्रिम मेधा प्रणाली ने कई सुरक्षा खामियों की पहचान की थी। इन्हें जल्द दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर संगणक कार्यक्रमों में सुधार किए गए, लेकिन जल्दबाजी में किए गए इन बदलावों से नई तकनीकी समस्याएं पैदा हो गईं। यानी साइबर हमलों से बचाने में मदद करने वाली तकनीक भी परेशानी का कारण बन सकती है, यदि उसके सुझावों पर बिना पर्याप्त जांच के अमल किया जाए।

यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू तकनीक पर बढ़ती निर्भरता का है। आज बैंकिंग से लेकर विमानन, अस्पतालों, सरकारी संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सब कुछ डिजिटल संचार तंत्र से जुड़ा है। ऐसे में किसी एक महत्वपूर्ण संचार तंत्र या संगणक कार्यक्रम की विफलता का असर हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों तक पहुंच सकता है। स्वचालन ने काम की गति और सुविधा जरूर बढ़ाई है, लेकिन उसी अनुपात में छोटी तकनीकी गलती के बड़े स्तर पर फैलने का खतरा भी बढ़ा दिया है। इसलिए तकनीकी व्यवस्था जितनी आधुनिक हो, उसकी सुरक्षा और वैकल्पिक व्यवस्था भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए।

कृत्रिम मेधा से जुड़ी बहस का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मानव अस्तित्व और उसकी रचनात्मक क्षमता है। वर्ष 2026 के लिए कैम्ब्रिज शब्दकोश द्वारा 'मानव' शब्द का चयन भी कृत्रिम मेधा के बढ़ते प्रभाव के बीच इंसान की पहचान और महत्व को रेखांकित करता है। आज मशीनें लेखन, संगीत, फिल्म निर्माण और दूसरे रचनात्मक कार्यों में इंसानों जैसी सामग्री तैयार करने लगी हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब मशीनें रचनात्मक काम करने लगेंगी, तब मानवीय प्रतिभा, मौलिकता, अनुभव और मेहनत का महत्व कैसे बरकरार रहेगा?

कृत्रिम मेधा केवल रोजगार के स्वरूप को नहीं बदल रही, बल्कि उस व्यवस्था को भी चुनौती दे रही है जिसमें इंसान की कल्पनाशीलता, भावनाएं और मौलिक विचार आर्थिक गतिविधियों का आधार रहे हैं। मशीनों से तैयार सामग्री की बढ़ती उपलब्धता के बीच वास्तविक मानवीय रचनात्मकता को अलग पहचान देना जरूरी होगा। कला, साहित्य, पत्रकारिता और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में मानवीय योगदान का सम्मान और उचित मूल्य सुनिश्चित करना समय की मांग है। तकनीक का इस्तेमाल इंसान की क्षमता बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि उसकी मौलिकता को कमजोर करने के लिए।

भारत के लिए भी इन घटनाओं में महत्वपूर्ण सबक छिपा है। देश दुनिया की तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यूपीआई, डिजिटल बैंकिंग, आधार आधारित सेवाएं, सरकारी डिजिटल मंच, रेलवे, विमानन और स्वास्थ्य सेवाएं बड़े पैमाने पर तकनीकी संचार तंत्र पर निर्भर हैं। भारत की डिजिटल शक्ति जितनी तेजी से बढ़ेगी, उसकी तकनीकी सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में सेवाएं जारी रखने की क्षमता का महत्व भी उतना ही बढ़ेगा।

भारत को केवल विदेशी कृत्रिम मेधा प्रणालियों और वैश्विक क्लाउड कंपनियों का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहिए। अपने आंकड़ा केंद्र, स्वदेशी कृत्रिम मेधा प्रणाली, साइबर सुरक्षा अनुसंधान, अर्धचालक निर्माण और महत्वपूर्ण डिजिटल ढांचे में आत्मनिर्भरता विकसित करना राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। अस्पतालों, बैंकिंग, रक्षा और आपातकालीन सेवाओं के लिए ऐसे वैकल्पिक संचार तंत्र तैयार होने चाहिए, जो किसी वैश्विक कंपनी की सेवा बाधित होने पर भी काम करते रहें। जरूरी डिजिटल सेवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर संचालित सुरक्षित बैकअप व्यवस्था और नियमित आपदा परीक्षण भी अनिवार्य होने चाहिए।

इसके साथ ही कृत्रिम मेधा से पैदा होने वाले जोखिमों की स्वतंत्र जांच, संगणक कार्यक्रमों में बदलाव की चरणबद्ध प्रक्रिया और महत्वपूर्ण प्रणालियों में मानवीय निगरानी जरूरी है। किसी भी तकनीकी निर्णय को अंतिम मानने के बजाय उसकी जांच और जवाबदेही तय होनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी विद्यार्थियों को तकनीक के इस्तेमाल के साथ मौलिक सोच, रचनात्मकता और मानवीय विवेक का महत्व समझाना होगा। बहरहाल, तकनीकी शक्ति का अगला दौर केवल यह तय नहीं करेगा कि किस देश के पास सबसे तेज कृत्रिम मेधा है। असली मुकाबला इस बात का होगा कि कौन–सा देश इस तकनीक को अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज के अनुकूल नियंत्रित कर सकता है, तकनीकी संकट के दौरान अपनी व्यवस्थाएं चालू रख सकता है और मशीनों की बढ़ती क्षमता के बीच इंसान की उपयोगिता तथा रचनात्मकता को बचा सकता है। भारत के सामने यही सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती और अवसर है।

विचार विंडो

घूमने का बढ़ा जुनून, अब छुट्टियां भी हुईं रोजमर्रा

विनय कुमार

कभी भारतीय परिवारों में घूमने–फिरने का मतलब साल में एक बार गर्मियों की छुट्टियों में ननिहाल जाना या सर्दियों में किसी धार्मिक स्थल के दर्शन करना हुआ करता था। यात्रा की तैयारी महीनों पहले होती थी और घर के बजट में भी इसके लिए खास इंतजाम करना पड़ता था। लेकिन अब जमाना बदल गया है। छुट्टियां कैलेंडर की मोहताज नहीं रहीं और घूमना–फिरना शौक से आगे बढ़कर जीवनशैली का हिस्सा बनता जा रहा है। शुक्रवार की शाम दफ्तर से निकलते ही शनिवार–रविवार की सैर का कार्यक्रम बन जाता है। सोमवार को फिर वही दफ्तर, वही फाइलें और वही भागदौड़। फर्क इतना है कि बीच में पहाड़, समुद्र या किसी अनजान शहर की तस्वीरें मोबाइल में कैद हो चुकी होती हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के ताजा घरेलू पर्यटन और व्यय सर्वेक्षण ने इस बदलती भारतीय मानसिकता की तस्वीर सामने रखी है। जुलाई 2025 से जून 2026 के बीच किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, पिछले एक साल में ग्रामीण क्षेत्रों के करीब 35 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों के 38 प्रतिशत परिवारों ने कम से कम एक रात की यात्रा की। वर्ष 2014–15 में यह आंकड़ा दोनों क्षेत्रों में केवल 19 प्रतिशत था। यानी एक दशक में घूमने–फिरने का चलन लगभग दोगुना हो गया। पर्यटन मंत्रालय के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं। वर्ष 2019 में घरेलू पर्यटकों की संख्या 23.22 करोड़ थी, जो 2025 में बढ़कर 42.87 करोड़ पहुंच गई। साफ है कि अब भारतीयों को घर की चारदीवारी से बाहर निकलने के बहाने तलाशने नहीं पड़ते, बल्कि बहानों के लिए यात्रा तलाश ली जाती है।



हालांकि भारतीय पर्यटन की तस्वीर में एक दिलचस्प विरोधाभास भी है। देश में सबसे ज्यादा यात्राएं आज भी धार्मिक और तीर्थ स्थलों के लिए होती हैं। कुल रात्रि यात्राओं में इनका हिस्सा 47.7 प्रतिशत है। इसके बाद स्वास्थ्य और इलाज के लिए 29.6 प्रतिशत तथा छुट्टियों और मनोरंजन के लिए 22.1 प्रतिशत यात्राएं होती हैं। यानी भारत में घूमने निकलने वालों का बड़ा हिस्सा आज भी पुण्य कमाने, बीमारी का इलाज कराने या मन बहलाने के लिए निकलता है। धार्मिक यात्रा में श्रद्धा का भाव है तो मनोरंजन की यात्रा में तनाव से मुक्ति की तलाश। अब तो कई लोग तीर्थयात्रा के साथ आसपास के पर्यटन स्थलों को भी देख आते हैं। भक्ति और पर्यटन का यह मेल भारतीय यात्रा संस्कृति की खास पहचान बन रहा है।

शहरी और ग्रामीण भारत के पर्यटन में अंतर भी कम दिलचस्प नहीं है। शहरों में रातभर की 36.4 प्रतिशत यात्राएं छुट्टियों और मनोरंजन के लिए होती हैं, जबकि गांवों में यह आंकड़ा महज 12.5 प्रतिशत है। दूसरी ओर, ग्रामीण क्षेत्रों में इलाज के लिए 38.4 प्रतिशत यात्राएं होती हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह हिस्सा 16.5 प्रतिशत है। इससे साफ है कि शहरों में यात्रा का बड़ा कारण मनोरंजन और अनुभव जुटाना है, जबकि गांवों में स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी यात्रा का महत्वपूर्ण कारण बनी हुई हैं। यानी किसी के लिए यात्रा तनाव दूर करने का साधन है तो किसी के लिए मजबूरी।

यात्रा के तौर–तरीके भी बदल रहे हैं। अब अकेले घूमने वालों, महिलाओं के समूहों, युवा जोड़ों और परिवारों की संख्या बढ़ रही है। विशेष रूप से नई पीढ़ी और कामकाजी युवा जोड़े पर्यटन उद्योग के नए ग्राहक बनकर उभरे हैं। इनके लिए यात्रा केवल किसी स्थान को देख लेना नहीं, बल्कि नए अनुभव जुटाना है। कभी पहाड़ों में सूर्योदय देखना है, कभी किसी शहर के संगीत कार्यक्रम में शामिल होना है और कभी बिना किसी खास योजना के सड़क यात्रा पर निकल जाना है। सोशल मीडिया ने भी इस शौक को खूब हवा दी है। कई बार घूमने का आनंद लेने से ज्यादा तस्वीरें साझा करने की चिंता दिखाई देती है। पर्यटन स्थल पर पहुंचते ही नजरें प्राकृतिक सुंदरता से पहले अच्छे चित्र लेने की जगह तलाशने लगती हैं। ऐसा लगता है कि कुछ यात्राएं यादें बनाने से ज्यादा इंटरनेट पर दिखाने के लिए होती हैं। पर्यटन का बढ़ता बाजार अब ठहरने की सुविधाओं को भी बदल रहा है। बेहतर होटल, आरामदायक कमरे और नए अनुभवों की मांग बढ़ रही है। होटल उद्योग छोटे शहरों तक विस्तार की तैयारी कर रहा है। रेडिसन होटल समूह के नए होटलों की प्रस्तावित योजनाओं में आधे टियर–3 और टियर–4 शहरों में हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यावसायिक ठहराव की ओर रुझान बढ़ा है। पहले जहां अधिकांश परिवार रिश्तेदारों के घर या धर्मशालाओं में रुकते थे, वहीं अब बेहतर सुविधाओं वाले ठहराव की मांग बढ़ रही है। जाहिर है, पर्यटन अब केवल घूमने का कारोबार नहीं रहा, बल्कि होटल, परिवहन, भोजन, स्थानीय बाजार और रोजगार से जुड़ा बड़ा आर्थिक क्षेत्र बन चुका है। लेकिन पर्यटन की असली परीक्षा पर्यटकों की संख्या बढ़ने से नहीं होगी। सवाल यह है कि क्या हमारी पर्यटन व्यवस्था बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए तैयार है? पहाड़ी स्थलों पर जाम, धार्मिक नगरों में गंदगी, पर्यटन केंद्रों पर महंगी सुविधाएं, खराब सड़कें और पर्याप्त सार्वजनिक शौचालयों का अभाव अक्सर सैर का आनंद किरकिरा कर देते हैं। जिस स्थान पर सुकून तलाशने जाते हैं, वहां पहुंचकर पार्किंग और भीड़ से जूझना पड़े तो छुट्टी भी किसी परीक्षा से कम नहीं रह जाती। पर्यटन स्थलों की सुंदरता केवल तस्वीरों में नहीं, बल्कि वहां की स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्थाओं में भी दिखाई देनी चाहिए।

बहरहाल, भारत में बढ़ता घरेलू पर्यटन केवल लोगों की खर्च करने की क्षमता का संकेत नहीं है, बल्कि बदलती सोच और जीवनशैली का भी प्रमाण है। अब लोग अनुभवों पर खर्च करना चाहते हैं और अपने परिवार तथा दोस्तों के साथ समय बिताने को महत्व दे रहे हैं। सरकार और पर्यटन उद्योग को इस बढ़ते उत्साह को बेहतर सुविधाओं, सुरक्षित यात्रा, स्थानीय रोजगार और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना होगा। वरना ऐसा न हो कि घूमने निकला भारत मंजिल तक पहुंचने से पहले ही जाम, महंगाई और अव्यवस्था में उलझ जाए। पर्यटन का असली आनंद तभी है, जब सफर की यादें लौटने के बाद भी मुस्कान दें, न कि अगली छुट्टी तक थकान का हिसाब याद दिलाती रहें।

149 साल में पहली बार बना अनोखा विश्व रिकॉर्ड

टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंग्टन में खेले जा रहे दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया है। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो टेस्ट क्रिकेट के करीब 149 साल के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था।

दरअसल, भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में शुरुआती सात विकेटों के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रनों की साझेदारी की। इस उपलब्धि के साथ भारत टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने वाली दुनिया की पहली टीम बन गया है।

भारतीय पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने शानदार अंदाज में की।

दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 130 रन जोड़े। इसके बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 165 रनों की बड़ी साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। तीसरे विकेट के लिए केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के बीच 91 रन जुड़े। वहीं, चौथे विकेट के लिए शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने 100 रनों की साझेदारी की।

इसके बाद भी भारतीय बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। ऋषभ पंत और अंशुल कंबोज ने पांचवें विकेट के लिए 68 रन जोड़े। छठे विकेट के लिए पंत और ध्रुव जुरेल के बीच 75 रनों की साझेदारी हुई, जबकि सातवें विकेट के लिए ध्रुव जुरेल और वॉशिंगटन सुंदर ने 54 रन जोड़े। इस तरह भारतीय पारी में शुरुआती सात विकेटों के लिए लगातार अर्धशतकीय साझेदारियां देखने को मिलीं। इन साझेदारियों ने भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट के नुकसान पर 720 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रनों पर सिमट गई। इस तरह भारत को पहली पारी के आधार पर बड़ी बढ़त हासिल हुई।

मुकाबले के चौथे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 119 रन बना लिए थे। हालांकि, कीवी टीम अभी भी भारत के स्कोर से 233 रन पीछे थी।

अब मुकाबले के पांचवें और आखिरी दिन भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने की चुनौती होगी।

वहीं, मेजबान टीम की कोशिश विकेट बचाकर मुकाबले में वापसी करने की होगी। भारत की नजर इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को जीत में बदलने पर रहेगी।

रश्मिका मंदाना की 'मायसा' की रिलीज टली



यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ और बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म 'मायसा' के प्रशंसकों को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माता इसे तय तारीख पर रिलीज नहीं करेंगे। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी आधिकारिक जानकारी दी है। उनके मुताबिक, फिल्म को बड़े पर्दे पर शानदार अनुभव देने के लिए तैयार किया जा रहा है और इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना चाहते। इसी वजह से रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान जल्द किया जाएगा। रश्मिका मंदाना ने भी निर्माताओं की पोस्ट अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करते हुए कहा कि फिलहाल रिलीज टलने की जानकारी है और नई तारीख की पुष्टि होने पर वह दर्शकों को बताएंगी। फिल्म की रिलीज टलने से बॉक्स ऑफिस पर होने वाली दो बड़ी फिल्मों के साथ इसकी टक्कर भी टल गई है। दरअसल, 27 नवंबर को आयुष्मान खुराना की 'ये प्रेम मोल लिया' और 'गनमास्टर जी9' भी सिनेमाघरों में आने वाली हैं। ऐसे में अब इन फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर 'मायसा' से मुकाबला नहीं करना पड़ेगा। रविंद्र पुल्ले के निर्देशन में बन रही 'मायसा' की कहानी आदिवासी इलाकों पर आधारित है। इसमें रश्मिका एक गोंड महिला के दमदार किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। ईश्वरी राव, गुरु सोमसुंदरम और राव रमेश भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। निर्माताओं ने फिल्म के दो गाने 'ओ मायसा रे' और 'ओसे रामुलम्मा' रिलीज कर दिए हैं। अब दर्शकों को इसकी नई रिलीज तारीख का इंतजार है।

शाहरुख खान के गाने 'मितवा' के सिंगर शफकत अमानत अली को ब्लड कैंसर



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' के लोकप्रिय गाने 'मितवा' को अपनी आवाज देने वाले मशहूर गायक शफकत अमानत अली ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ चुके हैं। सिंगर ने हाल ही में अपनी बीमारी का खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें मल्टीपल मायलोमा नाम का ब्लड कैंसर हुआ था।

इस बीमारी के चलते उन्हें करीब एक साल तक बिस्तर पर रहना पड़ा और संगीत की दुनिया से भी दूरी बनानी पड़ी। शफकत ने बताया कि पिछले एक साल में उन्होंने कीमोथेरेपी कराई और शुरुआत में अपनी बीमारी की जानकारी कुछ दोस्तों तक को नहीं दी, क्योंकि उनका पूरा ध्यान इलाज पर था।

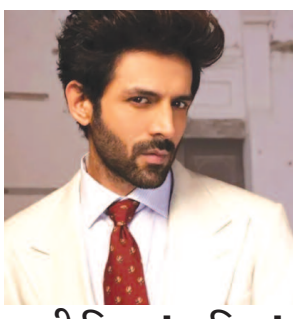
उन्होंने इस दौर को अपनी जिंदगी का सबसे मुश्किल समय बताया। हालांकि, सही समय पर बीमारी का पता चलने और इलाज मिलने से

एक साल तक रहे बिस्तर पर

अब उनकी स्थिति बेहतर है। कीमोथेरेपी पूरी होने के बाद उन्होंने लाहौर में एक कार्यक्रम के साथ मंच पर वापसी की। शफकत अमानत अली का संबंध प्रसिद्ध पटियाला घराने से है।

उन्होंने भारतीय संगीत जगत में 'मितवा' गाने से खास पहचान बनाई थी। इसके अलावा वह 'तेरे नैना', 'बिन तेरे', 'दिलदारा' और 'तेरी झुकी नजर' जैसे लोकप्रिय गानों को भी अपनी आवाज दे चुके हैं।

जन्मदिन पर कार्तिक आर्यन ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपने 35वें जन्मदिन पर प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दिया है। 22 नवंबर को उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस 'डोपामाइन स्टूडियोज' की शुरुआत की और इसके पहले प्रोजेक्ट 'कालिया' का टीजर भी जारी कर दिया। यह एक मॉन्स्टर थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे कार्तिक आर्यन और करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। फिल्म 5 मई 2028 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कार्तिक ने टीजर साझा करते हुए लिखा कि श्रीकृष्ण ने इसे दूर भेज दिया था, लेकिन इंसानों ने इसे वापस बुला लिया। करीब ढाई मिनट के टीजर की शुरुआत एक मां द्वारा अपने बच्चे को कालिया नाग की पौराणिक कहानी सुनाने से होती है। इसके बाद कहानी वर्तमान समय में पहुंचती है, जहां नदी

पहली फिल्म 'कालिया' का टीजर जारी

किनारे एक विशाल सरीसृप जैसे खतरनाक जीव की झलक दिखाई देती है। फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी कर रहे हैं, जो 'आर्या' और 'द नाइट मैनेजर' जैसी चर्चित वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और कार्तिक आर्यन समेत अन्य लोग हैं।

बिग बॉस-20 में स्काउट ने खोला यंग डीएसए का राज



यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' के 21 नवंबर के वीकेंड का वार एपिसोड में मनोरंजन के साथ जमकर भावनात्मक ड्रामा देखने को मिला। शो के होस्ट सलमान खान ने घरवालों के साथ बातचीत के दौरान स्काउटओपी और लव गिल को लेकर मजाक किया, लेकिन जल्द ही माहौल गंभीर हो गया। दरअसल, सलमान ने स्काउट से यंग डीएसए की निजी बात दूसरे कंटेस्टेंट्स के साथ साझा करने को लेकर सवाल किया। इस पर यंग भावुक हो गए और सलमान खान के सामने ही उनके आंसू छलक पड़े। सलमान ने स्काउट से पूछा कि उन्होंने यंग की बताई हुई बात दूसरों के साथ क्यों साझा की। इस पर स्काउटओपी ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह बात कनिका मान और लव गिल को बताई थी। उनका कहना था कि उन्होंने ऐसा किसी गलत इरादे से नहीं, बल्कि दोनों की चिंता के चलते किया था। हालांकि, इस खुलासे के बाद घर में दोस्ती और भरोसे को लेकर बहस शुरू हो गई। यंग डीएसए ने बताया कि उन्होंने यह बात केवल कुछ लोगों पर भरोसा करके साझा की थी, लेकिन इसके सामने आने से वह काफी आहत हुए। वहीं, एपिसोड में घरवालों

सलमान खान के सामने भावुक होकर रो पड़े रैपर

के दोस्तों की ओर से भेजे गए सवालों ने भी माहौल गर्म कर दिया। मनु पंजाबी ने कनिका मान से लव गिल के चरित्र पर सवाल उठाने को लेकर जवाब मांगा, वहीं एल्विश यादव ने गुल्लू के खेल पर सवाल किया। इसके अलावा करण वाही और समर्थ जुरेल ने भी कंटेस्टेंट्स से सवाल पूछे। सलमान खान ने एपिसोड की शुरुआत मस्ती भरे अंदाज में की थी। उन्होंने स्काउट से गाना गाने को कहा और लव गिल व काजी तौकीर को भी इसमें शामिल किया। इस दौरान उन्होंने गाने के जरिए स्काउट और लव के रिश्ते को लेकर मजाक भी किया। हालांकि, बाद में दोस्ती और वफादारी का मुद्दा चर्चा में आ गया। वहीं, 21 नवंबर के एपिसोड में किसी भी कंटेस्टेंट को घर से बाहर नहीं किया गया। हालांकि, खबर है कि मनीष गोयल पैर में चोट और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते शो से बाहर हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच इंग्लैंड को बड़ा झटका

हाथ में फ्रैक्चर के कारण विल जैक्स पूरी सीरीज से बाहर



यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले टी20 मुकाबले में हार के बाद अब टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर विल जैक्स चोटिल होने के कारण बाकी बचे ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गए हैं। उनके दाएं हाथ में फ्रैक्चर हुआ है, जिसके चलते उन्हें बीच दौरे से ही स्वदेश लौटना पड़ेगा। 28 वर्षीय विल जैक्स को यह चोट शनिवार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान लगी। मैच के आखिरी ओवरों में बेन ड्वारशुइस की गेंद पर जैक्स ने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे उनके दाएं हाथ में जा लगी। यह घटना पारी के 19वें ओवर में हुई। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके हाथ से खून निकलने लगा और उन्हें तुरंत मैदान छोड़ना पड़ा। इसके बाद उनकी चिकित्सकीय जांच कराई गई, जिसमें हाथ में फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई। रिपोर्ट सामने आने के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने उन्हें बाकी दौरे से बाहर करने का फैसला किया। जैक्स का बाहर होना इंग्लैंड के लिए बड़ा नुकसान है, क्योंकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में टीम के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा उनकी चोट से टीम की कप्तानी से जुड़ी योजनाओं पर भी असर पड़ा है। दरअसल, उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में इंग्लैंड की कप्तानी करनी थी। नियमित कप्तान हैरी ब्रूक दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारियों के लिए पहले ही ऑस्ट्रेलिया छोड़ने वाले हैं। ऐसे में जैक्स को टीम की कमान सौंपी जानी थी, लेकिन चोट के कारण अब वह यह जिम्मेदारी नहीं संभाल पाएंगे। उनकी जगह टॉम बैंटन इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2 दिसंबर को कैनबरा में खेला जाएगा। वहीं, इंग्लैंड को 17 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू करनी है। ऐसे में जैक्स की चोट ने इंग्लैंड की चिंता बढ़ा दी है और टीम को अब उनके बिना ही आगे की रणनीति तैयार करनी होगी।

ट्रक से भिड़ी डबल डेकर बस चालक समेत दो की मौत



कानपुर–प्रयागराज राजमार्ग पर तड़के हुआ हादसा

14 यात्री घायल, आठ की हालत गंभीर ओवरटेक के प्रयास में टक्कर की आशंका

यूनिक समय, फतेहपुर। फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। सुजानीपुर मोड़ के पास दिल्ली से वाराणसी जा रही वातानुकूलित डबल डेकर बस आगे चल रहे आलू लदे ट्रक में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 यात्री घायल हो गए। इनमें आठ की हालत गंभीर बताई गई है। हादसा सुबह करीब 2:50 बजे हुआ। यात्रियों में चीख–पुकार मच गई।

मृतकों की पहचान बस चालक आशीष कुमार और यात्री आशीष कुमार गुप्ता निवासी सुल्तानपुर घोष, फतेहपुर के रूप में हुई है। गुप्ता दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। बताया गया कि हादसे से कुछ देर पहले वह पीछे की सीट छोड़कर चालक के पास आकर बैठ गए थे। दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

सूचना पर पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची।

एंबुलेंस से घायलों को हरदो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। बाद में गंभीर घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रक को क्रेन से हटवाकर यातायात सामान्य कराया गया। प्रारंभिक जांच में ओवरटेक के प्रयास के दौरान हादसा होने की आशंका जताई गई है। पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है।

लखनऊ में पूजन सामग्री के गोदाम में लगी भीषण आग



छह दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

चौक के टेढ़ी बाजार में मकान के तहखाने में बना था गोदाम

दो घंटे तक आग बुझाने में जुटे रहे दमकलकर्मी कोई जनहानि नहीं

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के चौक इलाके में टेढ़ी बाजार स्थित एक मकान के तहखाने में बने गोदाम में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। गोदाम में रखी पूजन सामग्री आग की चपेट में आ गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और चारों ओर काला धुआं फैल गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। छह दमकल गाड़ियों की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकलकर्मियों ने आसपास की दुकानों में रखा सामान भी सुरक्षित बचा लिया।

दमकल विभाग के अनुसार, शनिवार रात करीब 11:10 बजे चौक अग्निशमन केंद्र को आग लगने की सूचना मिली। सुभाष मार्ग स्थित टेढ़ी बाजार के रकाबगंज में प्रतीक के मकान के तहखाने में बने गोदाम में आग लगी थी। प्रभारी कमलेन्द्र कुमार सिंह दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू कराया।

आग की गंभीरता को देखते हुए हजरतगंज, चौक, आलमबाग और बीकेटी अग्निशमन केंद्रों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां और पानी के वाहन बुलाए गए। दमकलकर्मियों ने पानी की धार से आग बुझाई और आसपास की दुकानों तक लपटें पहुंचने से रोक दिया। करीब दो घंटे बाद आग पूरी तरह बुझा दी गई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

मालिक के बेटे का अपहरण कर 15 लाख लेकर भागा चालक गिरफ्तार



झांसी में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में लगी गोली

बच्चे को पहले ही सकुशल बरामद कर चुकी थी पुलिस

12 दिन से तलाश में जुटी थीं चार पुलिस टीमें

यूनिक समय, झांसी। झांसी में बर्तन कारोबारी के छह वर्षीय बेटे का अपहरण कर 15 लाख रुपये लेकर फरार हुए चालक और उसके साथी को पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। गुरसराय थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपियों की पहचान आशीष अवस्थी और विशाल शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, बाइक, 50,270 रुपये नकद और चार मोबाइल फोन समेत सोने के आभूषण बरामद किए हैं।

10 नवंबर को बर्तन कारोबारी अनुराग सिंह पत्नी और छह वर्षीय बेटे सार्थक के साथ स्कॉर्पियो से गुरसराय पहुंचे थे। एरच रोड स्थित पेट्रोल पंप पर दंपती शौचालय गए, तभी चालक आशीष बच्चे को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने करीब दो घंटे बाद मोंठ क्षेत्र में वाहन और बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया था, लेकिन चालक 15 लाख रुपये और कारोबारी की पत्नी का मोबाइल लेकर भाग निकला था।

एसएसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार पुलिस टीमें गठित की थीं। रविवार को सूचना मिलने पर गुरसराय पुलिस, एसओजी और निगरानी दल ने अड़जरा के पास घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने गोलीबारी की, जिसके जवाब में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि विशाल शर्मा पर विभिन्न थानों में 24 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, आशीष भी पहले एक आपराधिक मामले में जेल जा चुका है।

पेट्रोल भरने में देरी पर पंप कर्मचारी पर हमला, ईंट से फोड़ा सिर



लखनऊ में बाइक सवार युवकों ने बेल्ट और कड़े से किया वार

कर्मचारी की आंख में भी गंभीर चोट, एक आरोपी पकड़ा गया

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के विधानसभा मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप पर शनिवार शाम पेट्रोल भरने में देरी को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि लाइन में पहले पेट्रोल भरवाने की जिद कर रहे बाइक सवार युवकों ने कर्मचारी अमित कुमार रावत पर हमला कर दिया। युवकों ने बेल्ट, ईंट और हाथ में पहने कड़े से उनके सिर और चेहरे पर वार किए। हमले में कर्मचारी का सिर फट गया और आंख में भी गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच–बचाव किया और एक आरोपी को अपाचे बाइक समेत पकड़ लिया।

पीड़ित अमित कुमार रावत विधानसभा मार्ग स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर सेल्समैन हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम करीब 6:30 बजे कुछ युवक बाइक से पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। पंप पर पहले से ग्राहकों की कतार लगी थी। युवकों ने लाइन तोड़कर पेट्रोल भरने का दबाव बनाया। विरोध करने पर गाली–गलौज और धमकी देने लगे। इसके बाद उन्होंने मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित ने हजरतगंज थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौके से पकड़े गए युवक के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

आगरा में आकाश आनंद की रैली मंच पर मायावती जैसा प्रोटोकॉल



एत्मादपुर में जनसभा के दौरान बोले– गुमराह करने के लिए पूरी बारात आएगी

गुजरात, मठ और सैफई से आने वालों से सावधान रहें

बाबा साहब के संविधान ने दिया बराबरी का अधिकार

यूनिक समय, आगरा। बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने रविवार को आगरा के एत्मादपुर में जनसभा कर विरोधियों पर निशाना साधा। रैली में उनके लिए मायावती जैसा विशेष प्रोटोकॉल रखा गया। मंच पर केवल एक सोफा लगाया गया, जबकि अन्य पदाधिकारियों और अतिथियों के लिए पीछे कुर्सियों की व्यवस्था की गई। आकाश ने समर्थकों से विरोधियों की राजनीति में न फंसने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों को गुमराह करने के लिए पूरी बारात आएगी। कोई गुजरात से आएगा, कोई मठ से तो कोई सैफई से आगरा पहुंचेगा। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना है। आकाश ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब समाज के लोगों को मंच पर खड़े होने और सामने कुर्सी पर बैठने तक का अधिकार नहीं था। बाबा साहब के संविधान ने एक व्यक्ति, एक वोट और एक कीमत का सिद्धांत दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रचार पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जबकि 13 लाख से अधिक सरकारी पद खाली हैं। भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने समर्थकों से छह दिसंबर को लखनऊपहुंचने की अपील भी की।

बच्चों की सीट को लेकर विवाद, आगरा में बारातियों पर लाठी–सरियों से हमला

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ट्रांस यमुना क्षेत्र के शहदरा में रविवार सुबह बारातियों पर हमला कर दिया गया। टप्पल से लौट रही बारात की बस में बच्चों की सीट को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी रंजिश में विकास नगर स्थित बघेल डेयरी के पास हमलावरों ने बारातियों को घेर लिया और लाठी–डंडों व लोहे की सरियों से हमला कर दिया। मारपीट में छत्रपाल, लोकेश, गौरव और योगेश समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि रविवार सुबह करीब चार बजे बारात के पहुंचने से पहले ही हमलावर मौके पर मौजूद थे। अचानक हुए हमले से अफरा–तफरी मच गई। सभी घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, बस में कहासुनी के बाद दोनों पक्षों ने एक–दूसरे को धमकी दी थी। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

डिग्री से नौकरी का मौका, पहचान हुनर से बनेगी: राजनाथ सिंह



लखनऊ में दीक्षांत समारोह में बोले रक्षामंत्री

आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करें युवा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में रविवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं को सफलता का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि डिग्री नौकरी का पहला अवसर दिला सकती है, लेकिन आगे चलकर पहचान ज्ञान और हुनर से ही बनेगी। आत्मविश्वास रखने वाला व्यक्ति हर चुनौती का सामना कर सकता है। युवाओं को किसी का पिछलग्गू बनने के बजाय अपनी सोच और क्षमता पर भरोसा करना चाहिए। समारोह में उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक प्रदान किए। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को समझना जरूरी है। अपनी जड़ों से जुड़े रहने का अर्थ आधुनिकता से दूर होना नहीं है। भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित और विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण अवधारणाएं रही हैं। युवाओं को इतिहास और संस्कृति को सही परिप्रेक्ष्य में समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास से सफलता की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाती हैं। मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें और हताश न हों। अंत में भगवद्गीता का संदेश देते हुए कहा कि विचारों को परखकर जो सही लगे, उसे जीवन में अपनाएं।

मुलायम की जयंती पर अखिलेश ने बांटे लैपटॉप

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के अभिनव विद्यालयों के 200 विद्यार्थियों को लैपटॉप और बैग वितरित किए। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि सपा रामकथा के खिलाफ नहीं है। भाजपा गलत प्रचार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के कार्यक्रमों में हनुमान को नचाया गया था। चुनाव पर उन्होंने दावा किया कि भाजपा अपने मजबूत गढ़ों में भी हारने जा रही है। अखिलेश ने सत्ता में आने पर बुनकरों को निश्चित दर पर बिजली देने और किसानों को प्राथमिकता देने का वादा भी किया।

कोटा में ट्रक से भिड़ी क्रूजर परिवार के नौ सदस्यों की मौत



यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के कोटा में कोटा–उदयपुर नेशनल हाईवे–52 पर शनिवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शंभूपुरा गांव के पास तेज रफ्तार क्रूजर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में महाराष्ट्र के धुले निवासी एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं। वहीं सात अन्य परिजन और ट्रक चालक घायल हो गए। सभी घायलों को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, हादसा रात करीब एक बजे नांता थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि क्रूजर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार लोग अंदर फंस गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में चालक को झपकी आने की आशंका जताई गई है।

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के धुले से परिवार के 36 सदस्य मंगलवार को तीन अलग–अलग गाड़ियों में धार्मिक यात्रा पर निकले थे। उन्होंने मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर और उज्जैन में दर्शन किए। इसके बाद राजस्थान में सांवरिया सेठ, अजमेर और पुष्कर होते हुए खाटूश्यामजी पहुंचे। शनिवार को दर्शन करने के बाद सभी वापस लौट रहे थे। जयपुर में रात करीब 10:30 बजे भोजन करने के बाद उनका सफर दोबारा शुरू हुआ। हादसे का शिकार हुई क्रूजर सबसे आगे चल रही थी।

हादसे में सज्जन पवार (62), उनकी पत्नी उषा बाई (60), बाबूलाल पवार (75), सुशीला (62), कैलाश (35), अनीता (34), जान्हवी (7), माधवी (32) और सानवी (3) की जान चली गई। परिवार के अन्य सदस्यों को हादसे की सूचना मिली तो वे घटनास्थल पहुंचे। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। प्रशासन ने सभी नौ मृतकों के शव महाराष्ट्र पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा और प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

खाटूश्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहा था परिवार

हादसे में दो बच्चों की भी गई जान,सात परिजन और ट्रक चालक घायल

चालक को झपकी आने की आशंका, परिवार में मचा कोहराम

गुजरात में दो हादसों ने मचाई तबाही, दस लोगों की मौत



यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात में शनिवार रात और रविवार सुबह हुए दो भीषण सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। पहले हादसे में कच्छ के नेशनल हाईवे पर ट्रक और कार की जोरदार टक्कर हो गई। इसमें कार सवार सात लोगों की जान चली गई। मृतकों में महिलाएं और तीन बच्चे भी शामिल हैं। बताया गया कि सभी उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के रहने वाले थे और भुज में तैनात सेना के जवानों के परिवारों से जुड़े थे। वे रण ऑफ कच्छ घूमने के बाद वापस लौट रहे थे।

दूसरा हादसा जूनागढ़ जिले के केशोद–बालागाम रोड पर रविवार सुबह हुआ। यहां तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पत्थर से टकराने के बाद पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कार में सवार इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा की जान बच गई।

कच्छ में शनिवार रात करीब 10 बजे ट्रक और कार के बीच आमने–सामने की टक्कर हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार दो हिस्सों में बंट गई। हादसे में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30), तीन महीने की बेटी शिविका, राजेश सिंह रावत (35), उनकी सात वर्षीय बेटी रक्षित, रिंकी गोसाईं (30) और उनकी चार वर्षीय बेटी वामिका के रूप में हुई है।

हादसे के बाद कार में शव फंस गए थे। बचाव दल को उन्हें बाहर निकालने में कई घंटे लगे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंचीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो–दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की।

केशोद–बालागाम रोड पर रविवार सुबह करीब पांच बजे घामिडाना गांव के पास लाल रंग की स्विफ्ट कार हादसे का शिकार हो गई। कार में चार लोग सवार थे। हादसे में नंदनी पोपट, डेनिस दिवराणिया और झलक मशरू की मौत हो गई। तीनों की उम्र करीब 25 से 27 वर्ष बताई गई है।

कार की आगे वाली सीट पर बैठी इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के बाद बाहर खेत में जा गिरीं, जिससे उनकी जान बच गई। उन्हें एंबुलेंस से केशोद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पुलिस, दमकल और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाई, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

कच्छ में ट्रक से टकराई कार, सात लोगों की मौत

जूनागढ़ में कार पलटी, आग लगने से तीन की मौत

इन्फ्लुएंसर सुरक्षित बची

चांदनी चौक में फर्जी पार्किंग का पकड़ा गया खेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में नगर निगम के नाम पर फर्जी पार्किंग चलाने का मामला सामने आया है। आरोपी सरकारी पार्किंग की नकली रसीदें काटकर वाहन चालकों से पैसे वसूल रहा था। कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुभाष मार्ग पर प्रेजेंटेशन स्कूल के पास फुटपाथ पर अवैध रूप से पार्किंग संचालित कर रहा था। वह लोगों को वाहन खड़ा करने की जगह उपलब्ध कराने के नाम पर नगर निगम की फर्जी पर्चियां थमा देता था। जांच के दौरान उसके पास पार्किंग संचालन का कोई वैध अनुज्ञापत्र या सरकारी अनुमति नहीं मिली।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नगर निगम की अधिकृत साइकिल और मोटरसाइकिल पार्किंग लिखी नकली पर्चियों की पुस्तिका बरामद की है। इसके अलावा पार्किंग के नाम पर वसूली गई रकम भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा था, लेकिन दल ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। इस मामले में कोतवाली थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 319(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दि ली पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भी पर्दाफाश किया है। द्वारका मोड़ के पास पटेल गार्डन से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि वह नौकरी के इच्छुक लोगों को पर्चे बांटकर अपने जाल में फंसाता था। उनसे पंजीकरण और वर्दी के नाम पर रुपये वसूलता था, लेकिन न नौकरी देता था और न ही वर्दी।

सुभाष मार्ग पर फुटपाथ को बना रखा था अवैध पार्किंग स्थल

नकली रसीदों से वाहन चालकों को लगाता था चूना

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला भी आया सामने

मुजफ्फरपुर में लूटपाट के दौरान दूध कारोबारी की गोली मारकर हत्या



यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने लूटपाट के दौरान दूध कारोबारी संजय कुमार राय की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र में भसौन और राजापाकर के बीच हुई। संजय कुमार रतनपुर गांव में भोज खाने गए थे। देर रात बाइक से घर लौटते समय बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतक वाजितपुर अशोक गांव के निवासी थे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दूध का कारोबार करते थे। उनके बेटे नितेश कुमार के मुताबिक, घटनास्थल पर बाइक खड़ी मिली और पिता के गले से सोने की चेन गायब थी। हनुमान जी का टूटा लॉकेट भी वहां पड़ा मिला। परिजनों को आशंका है कि लूटपाट का विरोध करने पर उनकी हत्या की गई। शुरुआत में पुलिस को सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। सूचना पर एसडीपीओ मनोज कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। घायल को पहले सकरा रेफरल अस्पताल और फिर एसकेएमसीएच ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना से नाराज जिला परिषद सदस्य सुरेश प्रसाद यादव ने 24 घंटे में हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस आरोपियों की पहचान और हत्या के कारणों की जांच कर रही है।

भोज खाकर बाइक से घर लौट रहे थे संजय कुमार राय

गले से सोने की चेन गायब मिलने पर लूटपाट के दौरान हत्या की आशंका

1200 फीट गहरी खाई में मिला लापता कारोबारी का शव, दो दिन से थी तलाश

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कारोबारी श्रीनिवास बेंडखले की 1200 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई। वह पिछले दो दिनों से लापता थे। उनका शव पुणे और रायगढ़ को जोड़ने वाले ताम्हिनी घाट क्षेत्र से बरामद किया गया। श्रीनिवास मानगांव तालुका के गोरेगांव निवासी थे और सफल कारोबारी के रूप में पहचान रखते थे।

पुलिस को जांच के दौरान ताम्हिनी घाट में उनकी गाड़ी की लोकेशन मिली। इसके बाद बचाव दल ने तलाशी अभियान चलाया। देर रात टीम को खाई से शव निकालने में सफलता मिली। बाद में शव पुलिस को सौंप दिया गया।

इससे पहले रत्नागिरी के दापोली–मंडनगढ़ मार्ग पर बस की चपेट में आने से बाइक सवार सुरेंद्र गोरीवाले की मौत हो गई थी।

अमेरिका में 20 महीने में छह हजार भारतीय गिरफ्तार,2349 को किया डिपोर्ट



यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सख्त इमिग्रेशन नीति का असर भारतीय नागरिकों पर भी दिखाई दे रहा है। जनवरी 2025 से अगस्त 2026 के बीच अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने 6111 भारतीयों को गिरफ्तार किया। इनमें से 5235 लोगों को डिपोर्टेशन सेंटर में रखा गया, जबकि 2349 भारतीयों को देश से वापस भेज दिया गया। अमेरिकन कम्युनिटी मीडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में भारतीयों की गिरफ्तारी का यह रिकॉर्ड स्तर है। एशिया–प्रशांत समुदायों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था स्टॉप हेट ने दावा किया है कि मिडटर्म चुनाव से पहले इमिग्रेशन एजेंसी ने छापेमारी तेज कर दी थी। संस्था के अनुसार, एशियाई समुदायों में भारतीयों पर गिरफ्तारी और डिपोर्टेशन की कार्रवाई सबसे अधिक हुई।

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में 850 से अधिक भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इनमें फ्रेस्नो, बेकर्सफील्ड, स्टॉकटन और सैन बर्नार्डिनो जैसे शहर शामिल हैं। रिपोर्ट में 60 वर्षीय भारतीय मूल की महिला का मामला भी सामने आया है। वह 1994 से अमेरिका में रह रही थीं और उनका ग्रीन कार्ड भी मंजूर हो चुका था। इसके बावजूद बायोमेट्रिक्स प्रक्रिया के लिए इमिग्रेशन कार्यालय बुलाए जाने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। परिवार के मुताबिक, करीब एक सप्ताह बाद उन्हें रिहा किया गया।

भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2025 में 3567 भारतीय नागरिकों को अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। जून 2026 तक 1076 भारतीयों को वापस भेजा जा चुका था। रिपोर्ट के अनुसार, वीजा नियमों के उल्लंघन और नौकरी छूटने के बाद इमिग्रेशन स्टेटस से जुड़ी परेशानियों के मामले भी सामने आए हैं। एच–1बी वीजा धारकों के सामने भी नई नौकरी मिलने और अमेरिका में कानूनी रूप से रहने की चुनौती बढ़ी है। फरवरी 2025 में 104 भारतीयों को अमेरिकी सैन्य विमान से अमृतसर लाया गया था। इस दौरान हथकड़ी और बेड़ियों में लाए जाने की तस्वीरों पर देशभर में विवाद हुआ था।

ट्रम्प प्रशासन की इमिग्रेशन कार्रवाई में भारतीयों पर बढ़ी सख्ती

5235 लोगों को डिपोर्टेशन सेंटर में रखा

कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां

2263 मतदेय स्थलों पर पहुंचे बीएलओ विशेष कैंपों का डीएम ने किया निरीक्षण



ब्लैक स्टोन स्कूल में बीएलओ से जानकारी लेते डीएम चंद्र प्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को जिले के सभी 2263 मतदेय स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए गए। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने मथुरा के वीपी राजकीय इंटर कॉलेज, ब्लैक स्टोन गर्ल्स इंटर कॉलेज, एएसएम पॉलिटेक्निक और बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में लगे कैंपों का निरीक्षण कर पंजीकरण कार्यों की प्रगति देखी। डीएम ने बीएलओ से फॉर्म-6, 7 और 8 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और अन्य पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन पात्र नागरिकों का नाम

युवाओं और महिलाओं के अधिकाधिक फॉर्म-6 भरवाने पर जोर, मतदाता सूची को शुद्ध बनाने के निर्देश

अभी तक सूची में दर्ज नहीं है, उनके अधिकाधिक फॉर्म-6 भरवाए जाएं।

डीएम ने कहा कि सभी बीएलओ पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से कार्य करें। लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान के अधिकार के प्रयोग की पहली प्रक्रिया है। उन्होंने लोगों से स्वयं जागरूक होने और परिवार, आसपास के पात्र लोगों को भी पंजीकरण के लिए प्रेरित करने की अपील की।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम प्रदर्शन केंद्र और विशेष शिविरों का किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी गरिमा स्वरूप ने रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में बनाए गए ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए निर्वाचन संबंधी कार्यों को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिला नियंत्रक केंद्र (डीसीसी) को प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए कर्मचारियों को सामान्य निर्वाचन संबंधी प्रश्नों और उनके उत्तरों की बुकलेट रखने के निर्देश दिए, ताकि आमजन की जिज्ञासाओं का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

इसके बाद उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत वृंदावन के श्री वृंदावन विद्यापीठ इंटर कॉलेज और नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज में लगे शिविरों का निरीक्षण किया। गोवर्धन

बीएलओ को नए पात्र मतदाताओं के अधिकाधिक फॉर्म-6 भरवाने के दिए निर्देश

तहसील के प्राथमिक विद्यालय राधाकुंड प्रथम, पूर्व माध्यमिक विद्यालय राधाकुंड, प्राथमिक विद्यालय नगला पंजाबी और प्राथमिक विद्यालय द्वितीय राधाकुंड में भी व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने बीएलओ से फॉर्म-6, 7 और 8 की जानकारी लेते हुए नए पात्र मतदाताओं के अधिकाधिक फॉर्म-6 भरवाने के निर्देश दिए।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसडीएम सदर मोहित कुमार, तहसीलदार न्यायिक कृष्ण गोपाल मिश्रा, स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. दीन दयाल, जिला मास्टर ट्रेनर मनीष दयाल और श्रुति सक्सेना मौजूद रहीं।

उठावनी



स्व. श्री चैतन्य चन्द्र शर्मा

बडे दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय दादाजी श्री चैतन्य चन्द्र शर्मा जी (भूतपूर्व शिक्षक चम्पा अग्रवाल इ. कॉलेज एवं लोकतंत्र सेनानी रक्षक) का स्वर्गवास दिनांक 22.11.26 को हो गया है जिनकी उठावनी आज दिनांक 23.11.26 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक परशुराम धर्मशाला, प्रोफेसर कॉलोनी आजाद नगर, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः- गंगा देवी शर्मा (धर्मपत्नी)
राधा रानी शर्मा (पुत्रवधू)
भविष्य शर्मा, अदिति शर्मा (नाती-नातिन)

उठावनी



स्व. श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल

बडे दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्यनीय पिताजी श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल जी (सुपुत्र स्व. श्री राधेश्याम अग्रवाल) का गोलोकवास दिनांक 21.11.26 को हो गया है जिनकी उठावनी आज दिनांक 23.11.26 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः- शुभम अग्रवाल (पुत्र) राजीव-प्रभा,विकास-आशा, प्रदीप-हैमा (अनुज भ्राता-वधु) अंकित-ज्योति (भतीजे-वधु) मोहित, दिवांशु, आकाश, वंश (भतीजेगण) रजनी-आनंद बसंल (बहन-बहनोई) प्रखर, प्रतीक, रितिका (भांजे-भांजी) प्रवीन गोयल (दामाद) कृतिका, रुही (धेवती)
समस्त सिहोरा वाला परिवार मो. 8218530621, 9720601365
फर्मः- वीनस पब्लिकेशन, श्री गिर्राज मेडीकल एजेन्सी, श्याम ट्रांसपोर्ट कम्पनी
ससुराल पक्षः- रमनलाल (खोआ वाले) एवं समस्त खोआ वाला परिवार

पुलिस का चेकिंग अभियान

बिना हेलमेट और रॉन्ग साइड वालों पर कार्रवाई



बिला हेलमेट बाइक सवार को समझाते चौकी प्रभारी।

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी टाउनशिप क्षेत्र में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ रविवार को बाद चौकी पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। चौकी इंचार्ज उत्तम चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्रमुख चौराहों और सड़कों पर दोपहिया-चार पहिया वाहनों को रोककर जांच की। अभियान के दौरान दर्जनों वाहन चालकों के चालान काटे गए।

पुलिस ने सबसे अधिक कार्रवाई बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों के खिलाफ की। वाहन के जरूरी कागजात नहीं मिलने पर भी चालान किए गए। इसके अलावा बाइक पर तीन सवारी बैठाकर चलने वाले और रॉन्ग साइड से वाहन निकालने वाले चालकों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वालों को

तीन सवारी और अधूरे कागजात वाले वाहन चालकों के काटे चालान दी चेतावनी

भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने की चेतावनी दी। अचानक शुरू हुए चेकिंग अभियान से वाहन चालकों में खलबली मच गई। चौकी इंचार्ज उत्तम चौहान ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सड़क हादसों पर अंकुश लगाना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बिना हेलमेट और रॉन्ग साइड वाहन चलाना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनता है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, जरूरी कागजात साथ रखने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

मंदिर चोरी का 24 घंटे में खुलासा तीन आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र की श्रीजी गार्डन-2 कॉलोनी स्थित राधाकृष्ण मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार निर्वाल के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमांशु, धीरज निवासी सतौहा और कल्लन उर्फ हेमसिंह निवासी धनगांव के रूप में हुई है। इनके कब्जे से चांदी के सिक्के, टीका, नथ, सोने के आभूषण और पांच हजार रुपये बरामद किए गए।

पुलिस ने धनगांव और देव स्टेट कॉलोनी में हुई दो अन्य चोरियों का सामान भी बरामद किया है। आरोपियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज और यक्ष एप के फेस रिकग्निशन फीचर से हुई। पुलिस ने हिमांशु के बैंक खाते में जमा 25 हजार रुपये भी फ्रीज करा दिए हैं।

दिव्यांग छात्राओं को मुफ्त मिलेगी 65 हजार रुपये तक की ई-ट्राईसाइकिल

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने दिव्यांग छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और आवागमन आसान बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल योजना शुरू की है। इसके तहत पात्र छात्राओं को अधिकतम 65 हजार रुपये तक की ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 20 ई-ट्राईसाइकिल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

योजना का लाभ 16 वर्ष या इससे अधिक आयु की उन दिव्यांग छात्राओं को मिलेगा, जो स्कूल, कॉलेज, प्रशिक्षण संस्थान, लाइब्रेरी, लैब या हॉस्टल में अध्ययनरत हैं। मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी और हीमोफीलिया से प्रभावित छात्राएं पात्र होंगी। इसके लिए दृष्टि और मानसिक स्थिति ठीक होने के साथ कमर के ऊपर का हिस्सा स्वस्थ होना तथा अपने हाथों से ई-ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम होना जरूरी है। मुख्य चिकित्साधिकारी से दिव्यांगता प्रमाणित होने के बाद विभागीय तकनीकी समिति शारीरिक क्षमता का भौतिक सत्यापन करेगी।

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। संस्था के प्रधानाचार्य या अध्यक्ष का अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र अनिवार्य है। छात्रा या उसके परिवार का कोई सदस्य आयकरदाता नहीं होना चाहिए। चयन में बीपीएल परिवारों की छात्राओं को प्राथमिकता मिलेगी। लक्ष्य शेष रहने पर दिव्यांगता के अधिक प्रतिशत और कम आय के आधार पर चयन किया जाएगा।

आवेदन के लिए दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड या आयु प्रमाण, संस्थान का प्रमाण-पत्र, पिता का आय प्रमाण-पत्र, मूल निवास और जाति प्रमाण-पत्र जरूरी हैं। इच्छुक छात्राएं अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, राजीव भवन में संपर्क कर सकती हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने मुख्यमंत्री की माता के निधन पर जताया शोक

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी के निधन पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान की ओर से शोक संवेदना व्यक्त की गई। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने संयुक्त शोक संदेश जारी कर दिवंगत माता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि माता का स्थान प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सर्वोपरि होता है। माता का स्नेह, संस्कार और आशीर्वाद संतान के जीवन को दिशा देने वाली अमूल्य निधि हैं। मातृ-वियोग ऐसी व्यक्तिगत और पारिवारिक क्षति है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। कपिल शर्मा और गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने भगवान श्रीकृष्ण के श्रीचरणों में प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

एक रन से ब्लॉक-11 बल्देव ने जीता एकता कॉरपोरेट कप

यूनिक समय, मथुरा। क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। इसमें ब्लॉक-11 बलदेव ने राइजिंग रेंजर्स चौमुहां को महज एक रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। जगदीश अग्रवाल की 84 रनों की शानदार पारी टीम की जीत का आधार बनी।

टॉस जीतकर राइजिंग रेंजर्स ने पहले गेंदबाजी चुनी। बल्लेबाजी करने उतरी ब्लॉक-11 बलदेव की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 183 रन बनाए। जगदीश अग्रवाल ने 54 गेंदों पर 84 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल रहे। योगी चौधरी ने 35 और प्रवीण कुमार ने नाबाद 15 रन का योगदान



एकता कॉरपोरेट कप जीतने के बाद खुशी मनाते ब्लाक-11 बल्देव के खिलाड़ी।

दिया। भीम परमार ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राइजिंग रेंजर्स की टीम आठ विकेट पर 182 रन ही बना सकी। जेपी सिंह ने 49 और रिंकू सिंह ने 33 रन बनाए। नेपाल सिंह ने दो विकेट लिए। विजेता टीम को 51 हजार और उपविजेता को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की गई।

जगदीश अग्रवाल मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एमएलसी प्रतिनिधि ठाकुर उमेश

जगदीश अग्रवाल की 84 रनों की पारी ने दिलाई जीत, रोमांचक फाइनल में राइजिंग रेंजर्स चौमुहां को दी शिकस्त

प्रताप सिंह, खजान सिंह, जवाहर सिंह, सुभाष प्रधान, गजेंद्र सिंह मास्टर, डॉक्टर संदीप चौधरी, नरेंद्र ठाकुर, राजेश मीना और वीरेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता और उपविजेता टीम को बधाई दी। फाइनल के आखिरी ओवर तक बने रोमांच ने क्रिकेट प्रेमियों को उत्साहित कर दिया।

छाता चीनी मिल धरना स्थल पर किसानों ने मुख्यमंत्री की माता को दी श्रद्धांजलि



छाता शुगर मिल धरनास्थल पर सीएम की मां को श्रद्धांजलि देतीं महिलाएं।

यूनिक समय, छाता। छाता चीनी मिल को पुनः चालू कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठे किसानों ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया। धरना स्थल पर किसानों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान किसानों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं मुख्यमंत्री और उनके परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।